

कक्षा -9 (प्रथम)

विषय -हिन्दी

कोड नं.

पूर्णांक-100

समय- 3:15 घंटे

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	20
रचना	15
व्यावहारिक -व्याकरण	15
पाठ्य पुस्तक : क्षितिज (भाग-1)	30
पूरक पुस्तक : कृतिका (भाग-1)	20

1. अपठित 20
दो अपठित साहित्यक अंश
(1) गद्यांश (100 से 150 शब्द) 12
(2) काव्यांश (10 पंक्तियाँ मय विकल्प) 8
(उपरोक्त साहित्य अंशों से शीर्षक का चुनाव, विषय वस्तु का बोध, अति लघुत्तरात्मक प्रश्न)
2. रचना 15
(1) निबन्ध लेखन (शब्द सीमा 100 शब्द विकल्प सहित)
10 (2) पत्र-लेखन (विकल्प सहित)
5
3. व्यावहारिक-व्याकरण 15
(1) शब्द, निर्माण, विशेषण, लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव 4
(2) उपसर्ग एवं प्रत्यय 4
(3) पर्यायवाची, विलोम, श्रुतिसमभिन्नार्थक 3
(4) मुहावरे 4
4. पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक 50
पाठ्य पुस्तक- क्षितिज भाग-1 15
पाठ लेखक पाठ का नाम
1 प्रेमचन्द दो बैलों की कथा

2	राहुल सांकृत्यायन	ल्हासा की ओर	
3	श्यामचरण दुबे	उपभोक्तावाद की संस्कृति	
4	जाबिर हुसैन	साँवले सपनों की याद	
5	चपला देवी	नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया	
काव्य खण्ड- क्षितिज भाग-1			15
पाठ	रचनाकार	पाठ के नाम	
1	कबीर	साखियाँ एवं सबद	
2	ललद्यद	वाख	
3	रसखान	सवैये	
4	माखनलाल चतुर्वेदी	कैदी और कोकिला	
5	सुमित्रानंदन पंत	ग्राम श्री	
6	केदारनाथ अग्रवाल	चन्द्र गहना से लौटती बेर	
पूरक पुस्तक- कृतिका भाग-1			20
पाठ	पाठ के नाम	लेखक के नाम	
1	इस जल प्रलय में	फणीश्वरनाथ रेणु	
2	मेरे संग की औरतें	मृदुला गर्ग	
3	रीढ़ की हड़डी	जगदीश चन्द्र माथुर	
4	माटी वाली	विद्यासागर नौटियाल	

कक्षा -9 (द्वितीय)

विषय -हिन्दी

कोड नं.

पूर्णांक-100

समय- 3:15 घंटे

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	20
रचना	15
व्यावहारिक -व्याकरण	15
पाठ्य पुस्तक : क्षितिज (भाग-1 एवं 2)	30
पूरक पुस्तक : कृतिका (भाग-1 एवं 2)	20

1. अपठित 20
दो अपठित साहित्यक अंश
(1) गद्यांश (100 से 150 शब्द) 12
(2) काव्यांश (10 पंक्तियाँ मय विकल्प) 8
(उपरोक्त साहित्य अंशों से शीर्षक का चुनाव, विषय वस्तु का बोध, अति लघुत्तरात्मक प्रश्न)
2. रचना 15
(1) निबन्ध लेखन (100 शब्द, विकल्प सहित) 10
(2) पत्र-लेखन 5
3. व्यावहारिक-व्याकरण 15
(1) परसर्ग 'ने' का क्रिया पर प्रभाव 4
(2) क्रिया भेद अकर्मक/सकर्मक मुख्य, क्रिया सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया 4
(3) पद-परिचय 4
(4) वाक्य भेद-रचना के अनुसार, रचनान्तरण 3
4. पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक 50
पाठ्य पुस्तक- क्षितिज भाग-1 एवं 2 15

पाठ	लेखक	पाठ का नाम
1	हरिशंकर परसाई	प्रेमचन्द के फटे जूते
2	महादेवी वर्मा	मेरे बचपन के दिन
3	हजारीप्रसाद द्विवेदी	एक कुत्ता और एक मैना

4	स्वयं प्रकाश	नेताजी का चश्मा	
5	रामवृक्ष बेनीपुरी	बाल गोबिन भगत	
6	यशपाल	लखनवी अंदाज	
काव्य खण्ड- क्षितिज भाग-1 एवं 2			15
पाठ	रचनाकार	पाठ के नाम	
1	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	मेघ आए	
2	चंद्रकांत देवताले	यमराज की दिशा	
3	राजेश जोशी	बच्चे काम पर जा रहे हैं	
4	नागार्जुन	यह दंतुरित मुसकान	
5	तुलसीदास	राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद	
6	मंगलेश डबराल	संगतकार	
पूरक पुस्तक- कृतिका भाग-1 एवं 2			20
पाठ	लेखक के नाम	पाठ के नाम	
1	शमशेर बहादुर सिंह	किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया	
2	शिवपूजन सहाय	माता का अँचल	
3	कमलेश्वर	जॉर्ज पंचम की नाक	

विषय-राजस्थान अध्ययन

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-100

इकाई-1 राजस्थान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

20

एक परिचय, नामकरण, प्राचीन सभ्यताएँ, पूर्व मध्यकालीन राजस्थान, मध्यकालीन राजस्थान के कतिपय उज्ज्वल एवं गौरवशाली पक्ष, राजस्थान के मध्यकालीन प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थल।

इकाई-2 राजस्थान का भौतिक पर्यावरण

20

स्थिति, विस्तार, प्रशासनिक इकाइयाँ, उच्चावच, भौतिक विभाग, अपवाह तंत्र एवं झीलें, जलवायु।

इकाई-3 राजस्थान की कला एवं संस्कृति

20

सांझी संस्कृति, मध्यकालीन साहित्यिक उपलब्धियाँ, स्थापत्य कला एवं चित्रकला, त्यौहार एवं उत्सव, मेले, लोक कलाएं।

इकाई-4 राजस्थान की अर्थ व्यवस्था

20

परिचय, आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास, कृषि विकास, हरित राजस्थान, राजस्थान में ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, महानरेगा, राजस्थान का बजट।

इकाई-5 राजस्थान में लोक प्रशासन

20

राजस्थान का एकीकरण, राज्य का प्रशासन, राज्य की कार्यपालिका, राज्य की विधायिका, स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक -

राजस्थान अध्ययन भाग-1

मा.शि.बो. राज. अजमेर द्वारा प्रकाशित

विषय-राजस्थान अध्ययन
कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-100

इकाई-1 जल संरक्षण

क्यों और कैसे, विभिन्न अभिकरणों एवं संस्थाओं की भूमिका, नागरिकों एवं विद्यार्थियों के दायित्व।

इकाई-2 स्वतन्त्रता पूर्व राजस्थान में सामाजिक सुधार

सती-प्रथा, कन्या वध, त्याग, डाकन प्रथा, कन्याओं, स्त्रियों का क्रय-विक्रय, बाल-विवाह, बहु-विवाह आदि सामाजिक कुरीतियों एवं उनके उन्मूलन के प्रयास (व्यक्तिगत, संस्थागत, राज्य सरकार द्वारा)

इकाई-3 स्वतन्त्रता पूर्व राजस्थान का शैक्षिक परिदृश्य

इकाई-4 परम्परागत जल प्रबंधन

ऐतिहासिक काल के राज्य के जल स्रोत- टांके बावड़ियाँ, कुएँ, तालाब, जोहड़ झील आदि का निर्माण एवं उपयोगिता वर्तमान में प्रासंगिक।

इकाई-5 विरासत का संरक्षण

ऐतिहासिक विरासत एक सर्वेक्षण दुर्दशा, संरक्षण की आवश्यकता, संरक्षण हेतु उठाये गये कदम (सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर)

इकाई-6 राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव अभयारण्य

राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य की संकल्पना एवं जैव विविधता संरक्षण में भूमिका राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान तथा अभयारण्य आखेट निषिद्ध क्षेत्र, मृग वन।

कक्षा-9 प्रथम
विषय - विज्ञान

समय-3:15 घण्टे

विषय कोड
पूर्णांक - 100

क्र.सं.	इकाई का नाम	पुस्तक में पाठ्यक्रमांक	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1.	पदार्थ-प्रकृति एवं व्यवहार	1.(9वीं)	1. हमारे आस-पास के पदार्थ	10	30
		2.(9वीं)	2. क्या हमारे आस- पास के पदार्थ शुद्ध हैं	10	
		3.(9वीं)	3. परमाणु एवं अणु	10	
2.	सजीवों में संगठन	5.(9वीं)	4. जीवन की मौलिक इकाई	9	35
		6.(9वीं)	5. ऊतक	8	
		7.(9वीं)	6. जीवों में विविधता	10	
		13.(9वीं)	7. हम बीमार क्यों होते हैं?	8	
3.	गति, बल एवं कार्य	8.(9वीं)	8. गति	8	35
		9.(9वीं)	9. बल तथा गति के नियम	9	
		10.(9वीं)	10. गुरुत्वाकर्षण	9	
		11.(9वीं)	11. कार्य और ऊर्जा	9	

कक्षा-9 द्वितीय

विषय - विज्ञान

समय-3:15 घण्टे

विषय कोड
पूर्णांक - 100

क्र.सं.	इकाई का नाम	पुस्तक में पाठ्यक्रमांक	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1.	पदार्थ-प्रकृति एवं व्यवहार	4.(9वीं)	1. परमाणु संरचना	8	8
2.	रासायनिक पदार्थ प्रकृति एवं व्यवहार	1.(10वीं) 2.(10वीं)	2. रासायनिक अभिक्रियाएँ 3. अम्ल, क्षारक एवं लवण	8 8	16
3.	हमारा पर्यावरण	14.(9वीं)	4. प्राकृतिक संसाधन	10	10
4.	भोजन	15.(9वीं)	5. खाद्य संसाधन	10	10
5.	सजीव जगत	6.(10वीं) 7.(10वीं) 8.(10वीं)	6. जैव प्रक्रम 7. नियंत्रण एवं समन्वय 8. जीव जनन कैसे करते हैं?	10 8 8	26
6.	गति, बल एवं कार्य	12.(9वीं)	9. ध्वनि	10	10
7.	प्रकाश	10.(10वीं)	10. प्रकाश परिवर्तन एवं अपवर्तन 11. मानव नेत्र तथा रंग-बिरंगा संसार	10 10	20

कक्षा- 9 प्रथम
विषय-सामाजिक विज्ञान

समय-3:15 घण्टे

विषय कोड
पूर्णांक - 100

क्र.सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	भारत और समकालीन विश्व घटनाएं एवं प्रक्रियाएं जीविका और अर्थव्यवस्था	1. फ्रांसीसी क्रांति	5	25
		2. रूसी क्रांति	4	
		3. नात्सीवाद का उदय	4	
		4. आधुनिक विश्व में चरवाहे	4	
		5. वन्य समाज और उपनिवेशवाद	4	
2	भारत- संसाधन एवं उनका विकास	6. किसान और काश्तकार	4	23
		7. भारत-आकार और स्थिति	5	
		8. जलवायु	5	
		9. अपवाह	5	
		10. प्राकृतिक वनस्पति	4	
		11. वन्य जीव	4	
3	लोकतांत्रिक राजनीति	12. प्रजातंत्र क्या है तथा क्यों?	6	22
		13. भारत में प्रजातांत्रिक व्यवस्था	6	
		14. प्रजातंत्र में निर्वाचन प्रणाली	5	
		15. संसदीय प्रजातंत्र की संस्थाएं	5	
		16. पालमपुर गाँव की आर्थिक कहानी	6	
4	अर्थशास्त्र का ज्ञान	17. संसाधन के रूप में लोग	6	18
		18. भारत में निर्धनता एक चुनौती	6	
		19. सामान्य मानव प्रेरित आपदाओं का निवारण	6	
5	आपदा प्रबन्धन	20. विशिष्ट संकट और मंदना न्यूनीकरण	6	12

कक्षा- 9 द्वितीय
विषय-सामाजिक विज्ञान

समय-3:15 घण्टे

विषय कोड
पूर्णांक - 100

क्र.सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	भारत और समकालीन विश्व (1)संस्कृति, पहचान और समाज (2)मानचित्र (3)घटनाएं और प्रक्रियाएं (4)अर्थव्यवस्थाएं तथा जीविकाएं	1. खेल और राजनीति	5	25
		2. वस्त्र एवं संस्कृति	4	
		3. यूरोप में राष्ट्रवाद	4	
		4. इण्डो चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन	4	
		5. भारत में राष्ट्रवाद	4	
		6. 1850 के दशक से 1950 के दशक के दौरान औद्योगिकीकरण	4	
2	भारत- भूमि और लोग	7. जनसंख्या	4	23
		मानचित्र कार्य	2	
		8. संसाधन	5	
		9. प्राकृतिक संसाधन	5	
		10. वन एवं वन्यजीव संसाधन	4	
		11. कृषि	3	
3	लोकतांत्रिक राजनीति	12. प्रजातंत्र में नागरिक अधिकार	8	22
		13. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी की पत्रावलियां	7	
		14. लोकतंत्र की कार्य प्रणाली	7	
4	आर्थिक विकास की समझ	15. भारत में खाद्य सुरक्षा	6	18
		16. विकास की कहानी	6	
		17. भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवाक्षेत्र की भूमिका	6	
5	आपदा प्रबन्धन	18. आपदा प्रबंधन के लिए सामुदायिक नियोजन	4	12
		19. सुनामी	4	
		20. सुरक्षित निर्माण की कार्य पद्धतियां	4	

कक्षा-9 प्रथम
विषय-गणित

समय-3:15 घण्टे

विषय कोड-09
पूर्णांक-100

क्र.सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1.	संख्या पद्धति	1. संख्या का नाम	12	12
2.	बीज गणित	1. बहुपद 2. दो चर वाले रैखिक समीकरण	20 16	36
3.	त्रिकोणमिति	1. त्रिकोणमिति का परिचय (त्रिकोणमितीय अनुपात) 2. त्रिकोणमिति के कुछ अनुप्रयोग (सर्वसमिकाएँ) 3. ऊँचाई और दूरी	12	12
4.	ज्यामिति	1. त्रिभुज 2. वृत्त 3. रचनाएँ 4. चतुर्भुज	3 6 9 6	24
5.	क्षेत्रमिति (मैन्सुरेशन)	1. पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन 2. हीरोन के सूत्र से क्षेत्रफल ज्ञात करना	10 6	16

कक्षा-9 द्वितीय
विषय-गणित

विषय कोड-09
पूर्णांक-100

समय-3:15 घण्टे

क्र.सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1.	संख्या पद्धति	1. संख्या पद्धति	12	12
2.	बीज गणित	1. बहुपद 2. दो चर वाले रैखिक समीकरण	20 16	36
3.	निर्देशांक ज्यामिति	1. निर्देशांक ज्यामिति	12	12
4.	ज्यामिति	1. सूक्लिड की ज्यामिति 2. रेखाएं और कोण 3. त्रिभुज 4. चतुर्भुज 5. क्षेत्रफल (समान्तर चतुर्भुज और त्रिभुजों का क्षेत्रफल)	3 6 9 3 3	24
5.	सांख्यिकी	1. सांख्यिकी	16	16

विषय-सिलाई

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

निर्देश-1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई पुस्तिका में ही लिखिये।

3. प्रश्न संख्या 1 के चार भाग है। प्रत्येक भाग के चार विकल्प अ, ब, स, द दिये गये हैं। सही उत्तराक्षर पुस्तिका में निम्न तालिका बनाकर देवें।

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्न संख्या	अंक	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1(i-iv)	$\frac{3}{4} \times 4$	3
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	4	2	8
3.	लघुत्तरात्मक प्रश्न	11	3	33
4.	निबन्धात्मक प्रश्न	4	4	16
	कुल	20		60

प्रश्न-1 (i) सिलाई कला का विकास कब हुआ -

 $\frac{3}{4}$

(अ) प्राचीन काल में (ब) ब्रिटिश काल में

(स) आधुनिक काल में (द) उपयुक्त में से कोई नहीं

()

(ii) ऊषा मशीन का कारखाना है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) मुम्बई में (ब) कलकत्ता में

(स) लुधियाना में (द) सोनीपत में

()

(iii) चित्र बनाने में काम में लिया जाता है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) घुटना गद्दी (ब) प्रेस क्लॉथ

(स) मिल्टन क्लॉथ (द) कटिंग मेज

()

(iv) कढ़ाई करते समय काम में आते हैं -

 $\frac{3}{4}$

(अ) रींग (ब) कढ़ाई का धागा

(स) सुई (द) उपरोक्त सभी

()

प्रश्न-2 सबसे पहले सिलाई कला का आरम्भ किस युग में हुआ?

2

प्रश्न-3 सिंगर मशीन का आविष्कारक कौन था?

2

प्रश्न-4 मनुष्य के शरीर की नाप किससे ली जाती है?	2
प्रश्न-5 कढ़ाई करते समय कौन से धागे काम में आते हैं?	2
प्रश्न-6 कच्चा टांका कब लगाया जाता है?	3
प्रश्न-7 झालर क्या है?	3
प्रश्न-8 प्लीट्स क्यों डाली जाती है?	3
प्रश्न-9 नेक डार्ट्स क्या है?	3
प्रश्न-10 काज पर टिप्पणी लिखिये।	3
प्रश्न-11 गुम सिलाई क्या है व कैसे करते हैं।	3
प्रश्न-12 बटर पेपर द्वारा कपड़े पर डिजाइन कैसे बनाई जाती है?	3
प्रश्न-13 सुईयां कितने प्रकार की होती हैं? वर्णन कीजिये।	3
प्रश्न-14 गुनिया का वर्णन कीजिये? चित्र बनाइये।	3
प्रश्न-15 टेलर चॉक क्या है?	3
प्रश्न-16 उस व्यक्ति का नाम लिखिये, जिसने फ्रांस में लकड़ी की मशीन बनाई	3
प्रश्न-17 भारत में सिलाई मशीन क्यों बनने लगी?	4
प्रश्न-18 सिलाई कला की परिभाषा लिखिये।	4
प्रश्न-19 चिरी हुई सिलाई कैसे की जाती है?	4
प्रश्न-20 गेदरिंग व गोजिंग में अन्तर बताइये।	4

विषय-सिलाई (प्रायोगिक)

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-40

निर्देश- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न-1 लेजी स्टीच से रुमाल पर फूल बनाकर प्रस्तुत करें।	10
प्रश्न-2 रुमाल पर काज स्टीच बनाओ।	10
प्रश्न-3 बेबी समीज का ड्राफ्टिंग व पेपर कटिंग करना व सिलाई करना।	20

विषय-सिलाई सैद्धान्तिक

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

इकाई-1 सिलाई कला का परिचय और महत्व

परिचय, महत्व, इतिहास एवं विकास

इकाई-2 सिलाई मशीन का आविष्कार एवं इतिहास

इकाई-3 सिलाई कला में काम आने वाले औजार एवं उपकरण

कैंची, फीता, गुनिया, टेलर चॉक, कटिंग मेज, शेष स्टिक, सूईयां, अंगुस्ताना, मिल्टन क्लॉथ, टेसिंग व्हील, साधारण प्रेस, बिजली की प्रेस, घुटना गद्दी, काँच, उमी आदि की परिभाषा एवं चित्रण।

इकाई-4 कढ़ाई करते समय काम आने वाले साधन

कपड़ा, रिंग, धागा, कैंची, पिकिंग कैंची, टेपेस्ट्री सुई।

इकाई-5 हाथ एवं मशीन के टांके

बुलियन स्टीच, चैन स्टीच, क्रास स्टीच, भरमा टांका एवं मशीन की सिलाईयां।

इकाई-6 विभिन्न डार्टस, प्लीटस एवं स्मोकिंग

डार्टस, प्लेन प्लीट्स, बॉक्स प्लीट्स, टक्स प्लीट्स, चुन्नटे, स्मोकिंग।

विषय-सिलाई (प्रायोगिक)

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-40

1 रुमाल पर स्टीच - क्रास स्टीच, चैन स्टीच, लेजी डेजी स्टीच, हेरिंग बोन स्टीच, काज स्टीच।

2 ड्रापिंग, कटिंग व सिलाई -

- (i) बिब
- (ii) बेबी चड्डी
- (iii) बेबी झबला
- (iv) बेबी समीज
- (v) रॉम्पर

मूक बधिर बालकों के लिए प्रश्नमाला

विषय-सिलाई

कक्षा-9 प्रथम

इकाई-1 सिलाई कला का परिचय और महत्व

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 हस्तकला को प्रोत्साहन दिया गया -

- (अ) मुस्लिम काल में
 (ब) स्वतंत्रता पश्चात भारत सरकार द्वारा ब्रिटिश काल में
 (स) आधुनिक काल में
 (द) प्राचीन काल में ()

प्रश्न-2 वस्त्र क्यों पहनते हैं?

- (अ) सर्दी से बचाव के लिए (ब) गर्मी से बचाव के लिए
 (स) सुन्दरता के लिए (द) उपयुक्त सभी के लिए ()

प्रश्न-3 सिलाई कला व्यवसाय-वरदान के रूप में साबित हुआ है -

- (अ) उच्च वर्गीय महिलाओं के लिए
 (ब) केवल निम्न वर्गीय महिलाओं के लिए
 (स) केवल मध्य वर्गीय महिलाओं के लिए
 (द) निम्न व मध्य वर्गीय महिलाओं के लिए ()

प्रश्न-4 उद्योगों में सिलाई कला का महत्वपूर्ण स्थान है -

- (अ) मानसिक दृष्टिकोण से (ब) शारीरिक दृष्टिकोण से
 (स) आर्थिक दृष्टिकोण से (द) उपयुक्त सभी से ()

प्रश्न-5 सिलाई कला का विकास कब हुआ -

- (अ) प्राचीन काल में (ब) ब्रिटिश काल में
 (स) आधुनिक काल में (द) उपयुक्त में से कोई नहीं ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 सबसे पहले सिलाई कला का आरम्भ किस युग में हुआ?

प्रश्न-2 प्राचीन काल में मनुष्य शरीर ढकने के लिए क्या प्रयोग करता था?

प्रश्न-3 भारत सरकार ने हस्तकलाओं को प्रोत्साहन देना कब प्रारम्भ किया?

प्रश्न-4 वर्तमान में मनुष्य शरीर ढकने के लिए क्या प्रयोग करता है?

प्रश्न-5 प्राचीन काल में मनुष्य कैसा रहता था?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) –

प्रश्न-1 सिलाई कला का विकास किस क्रम में हुआ?

प्रश्न-2 सिलाई कला की परिभाषा लिखो?

प्रश्न-3 प्राचीन काल में मनुष्य अपना जीवन कैसे निर्वाह करता था?

प्रश्न-4 सिले हुए वस्त्रों का वर्णन किन प्राचीन ग्रन्थों में मिलता है?

प्रश्न-5 कैसे बताएँगे कि सिलाई कला सिन्धु घाटी सभ्यता के समय से प्रचलित थी?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) –

प्रश्न-6 ब्रिटिश काल में सिलाई कला का इतिहास लिखिए।

प्रश्न-7 शारीरिक दृष्टि से सिलाई कला का महत्व लिखिए।

प्रश्न-8 मुस्लिम काल में सिलाई का इतिहास लिखिए।

प्रश्न-9 सामाजिक दृष्टिकोण से सिलाई कला का महत्व लिखिए।

इकाई-2 सिलाई मशीन का आविष्कार एवं इतिहास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

प्रश्न-1 भारत में सबसे पहले बनने वाली सिलाई मशीन थी –

- | | | |
|-----------|-------------|-----|
| (अ) ऊषा | (ब) लक्ष्मी | |
| (स) मैरिट | (द) रीटा | () |

प्रश्न-2 ऊषा मशीन की औद्योगिक इकाई कब स्थापित हुई –

- | | | |
|--------------|--------------|-----|
| (अ) 1830 में | (ब) 1848 में | |
| (स) 1891 में | (द) 1935 में | () |

प्रश्न-3 सर्वप्रथम सिलाई मशीन का प्रारूप तैयार किया था –

- | | | |
|-------------------|---------------------|-----|
| (अ) थामस सैण्ट ने | (ब) चार्ल्स थैथल ने | |
| (स) थेमोनियर ने | (द) पफ ने | () |

प्रश्न-4 ऊषा मशीन का कारखाना है –

- | | | |
|------------------|-----------------|-----|
| (अ) मुम्बई में | (ब) कलकत्ता में | |
| (स) लुधियाना में | (द) सोनीपत में | () |

प्रश्न-5 1851 में आइजिक मेरिट ने अपनी मशीन को अमेरिका में किस नाम से पेटेन्ट कराया।

- | | | |
|-----------|-----------|-----|
| (अ) मेरिट | (ब) सिंगर | |
| (स) सुमन | (द) रीटा | () |

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

प्रश्न-6 सिंगर मशीन का आविष्कारक कौन था?

प्रश्न-7 प्रथम लकड़ी की मशीन बनाने वाले का नाम लिखिए।

प्रश्न-8 ऊषा मशीन के कारखाने का नाम लिखिए।

प्रश्न-9 20, 30, व 40 नम्बर का धागा क्या काम आता है?

प्रश्न-10 उस व्यक्ति का नाम लिखिए, जिसने फ्रांस में लकड़ी की 80 मशीनें बनाईं?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) –

प्रश्न-11 सिलाई मशीन कितने प्रकार की होती है? नाम लिखिए।

प्रश्न-12 प्रमुख भारतीय मशीनों के नाम लिखिए।

प्रश्न-13 ऐलिसन्ड्रो ने अपनी मशीन का आविष्कार किसे और क्यों बेच दिया?

प्रश्न-14 भारत में सिलाई मशीन क्यों बनने लगी?

प्रश्न-15 प्रारम्भ में भारत में बनी लक्ष्मी मशीन असफल क्यों रही?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) –

प्रश्न-16 बिजली की मशीन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-17 हाथ की सिलाई मशीन का चित्र बनाइए।

प्रश्न-18 पैर की मशीन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-19 सिलाई मशीन की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न-20 सिलाई मशीन का आविष्कार विभिन्न चरणों में लिखिए।

इकाई-3 सिलाई कला में काम आने वाले औजार और उपकरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

प्रश्न-1 कपड़ा काटते समय काम में ली जाती है –

- (अ) फ्रेचकर्व (ब) कैंची
(स) गुनिया (द) चाकू ()

प्रश्न-2 वस्त्र की नाप लेने में काम आता है –

- (अ) गुनिया (ब) कटिंग मेज
(स) फीता (द) शेष स्टिक ()

प्रश्न-3 चित्र बनाने में काम में लिया जाता है –

- (अ) घुटना गद्दी (ब) प्रेस क्लॉथ
(स) मिल्टन क्लॉथ (द) कटिंग मेज ()

प्रश्न-4 कपड़ों को पिक करने में काम में ली जाती है –

- (अ) छोटी कैंची (ब) बड़ी कैंची
(स) कागज काटने वाली कैंची (द) पिकिंग कैंची ()

प्रश्न-5 पेन्ट-कोट की गोलाईयां नापने में काम में लेते हैं –

- (अ) गुनिया (ब) फीता
(स) शेष स्टिक (द) धागा ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-6 सिलाई मशीन में अधिकतर किन-किन नम्बरों की सुईयां काम में आती हैं?

प्रश्न-7 मनुष्य के शरीर की नाप किससे ली जाती है?

प्रश्न-8 प्रेस क्लॉथ कैसे कपड़े का बनाया जाता है?

प्रश्न-9 मिल्टन क्लॉथ किसका बना होता है?

प्रश्न-10 गुनिया की आकृति कैसी होती है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) -

प्रश्न-11 सिलाई कला में काम आने वाले उपकरणों को कितने भागों में बांटा गया है? नाम लिखिए।

प्रश्न-12 कैंचियां कितने प्रकार की होती हैं, नाम लिखिए?

प्रश्न-13 अंगुस्ताना क्या है?

प्रश्न-14 शेष स्टिक क्या है?

प्रश्न-15 ट्रेसिंग या मार्किंग व्हील क्या है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) -

प्रश्न-16 बिजली की प्रेस का वर्णन कीजिए, चित्र बनाइए।

प्रश्न-17 टेलर चॉक क्या है?

प्रश्न-18 गुनिया का वर्णन कीजिए? चित्र बनाइए।

प्रश्न-19 फीता क्या है? किस काम आता है?

प्रश्न-20 सुईयां कितने प्रकार की होती हैं? वर्णन कीजिए।

इकाई-4 कढ़ाई करते समय काम आने वाले साधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 कढ़ाई करते समय काम में आते हैं -

- | | | |
|----------|-------------------|-----|
| (अ) रींग | (ब) कढ़ाई का धागा | |
| (स) सुई | (द) उपरोक्त सभी | () |

प्रश्न-2 कपड़े पर चित्र बनाने के काम आती है -

- | | | |
|----------|-------------|-----|
| (अ) सुई | (ब) पेन्सिल | |
| (स) धागा | (द) कैंची | () |

प्रश्न-3 रुमाल पर फूल (डिजाइन) उतारने की पद्धति है -

- | | | |
|--------------------------|------------------------|-----|
| (अ) ट्रांसफर पेपर द्वारा | (ब) कार्बन पेपर द्वारा | |
| (स) कांच और लाईट द्वारा | (द) उपरोक्त सभी | () |

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

- प्रश्न-4 कढ़ाई करते समय कपड़ा किसमें कसा जाता है?
 प्रश्न-5 कढ़ाई करते समय कौन से धागे काम आते हैं?
 प्रश्न-6 कपड़े पर कशीदे के लिए कौन सी सुई काम आती है?
 प्रश्न-7 सबसे पहले कढ़ाई के लिए क्या काम आता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) -

- प्रश्न-8 कपड़े पर कढ़ाई करते समय कौन-कौन से साधन काम में लिये जाते हैं? लिखो।
 प्रश्न-9 कपड़े पर डिजाइन उतारने की कौन-कौन सी पद्धतियां हैं?
 प्रश्न-10 कढ़ाई काम की सार सम्भाल कैसे रखी जाती है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) -

- प्रश्न-11 कपड़े पर सीधे ड्राइंग कैसे उतारी जाती है?
 प्रश्न-12 ट्रांसफर पेपर द्वारा ड्राइंग कैसे बनाई जाती है?
 प्रश्न-13 कपड़े पर कांच लाईट द्वारा डिजाइन कैसे बनाई जाती है?
 प्रश्न-14 कपड़े पर डिजाइन उतारने के लिए ट्रेसिंग व्हील कैसे काम में आता है? लिखों व चित्र बनाओ।
 प्रश्न-15 डोराटन द्वारा कपड़े पर डिजाइन कैसे बनाई जाती है?
 प्रश्न-16 बटर पेपर द्वारा कपड़े पर डिजाइन कैसे बनाई जाती है?
 प्रश्न-17 कपड़े पर डिजाइन उतारने के लिए कार्बन पेपर कैसे काम में आता है?

इकाई-5 हाथ व मशीन की सिलाईयां व टांके**वस्तुनिष्ठ प्रश्न -**

- प्रश्न-1 दो कपड़ों को अस्थायी जोड़ने के लिए हाथ की सिलाई की जाती है, उसे कहते हैं-
 (अ) कच्चा टांका (ब) पक्का टांका
 (स) टाँका (द) चॉप ()
- प्रश्न-2 कुरते के कन्धे में जाली बनाने को लगाया जाने वाला टांका कहलाता है -
 (अ) कच्चा टांका (ब) पक्का टांका
 (स) मच्छी टांका (द) जंजीर टांका ()
- प्रश्न-3 कशीदाकारी में काम आने वाला टांका है -
 (अ) लेजी डेजी (ब) स्टेम स्टीच
 (स) बखिया (द) चॉपा ()
- प्रश्न-4 टांका जो फूल बत्ती बनाने में काम आता है, वह है -
 (अ) स्टेम स्टीच (ब) मच्छी टांका
 (स) लेजी डेजी (द) पक्का टांका ()

प्रश्न-5 दो हिस्सों को एक समान बनाने वाली हालत में लगाये जाने वाला टांका है -

- (अ) जंजीर टांका (ब) कच्चा टांका
(स) पक्का टांका (द) मार्क उठाना ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-6 कच्चा टांका कब लगाया जाता है?

प्रश्न-7 मच्छी टांके में किस नम्बर का धागा प्रयोग होता है?

प्रश्न-8 कोट में कितने सेमी के काज बनाये जाते हैं?

प्रश्न-9 गुम सिलाई को और किस नाम से जानते हैं?

प्रश्न-10 गुम सिलाई के स्थान पर आजकल की जाती है, उसका नाम लिखिये?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) -

प्रश्न-11 तुरपाई कहां की जाती है?

प्रश्न-12 जंजीर का टांका कहां लगाया जाता है?

प्रश्न-13 मच्छी टांका कहां लगाया जाता है?

प्रश्न-14 किनार सिलाई कहां की जाती है?

प्रश्न-15 मार्क उठाना क्या है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) -

प्रश्न-16 चीरी हुई सिलाई कैसे की जाती है?

प्रश्न-17 किनार की सिलाई किसे कहते हैं?

प्रश्न-18 सारजू टांका क्या है? इसका नाम सारजू क्यूं पड़ा?

प्रश्न-19 काज पर टिप्पणी लिखिये?

प्रश्न-20 गुम सिलाई क्या है? कैसे करते हैं?

इकाई-6 विभिन्न डार्ट्स, प्लीट्स एवं स्मोकिंग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 वस्त्रों की सही फिटिंग व सुन्दरता में योगदान है -

- (अ) डार्ट्स का (ब) प्लीट्स का
(स) स्मोकिंग का (द) उपरोक्त सभी का ()

प्रश्न-2 सही फिटिंग लाने के लिए कपड़े की उल्टी तरफ निश्चित दूरी पर जो सिलाई लगाई जाती है, वह है -

- (अ) डार्ट्स (ब) प्लीट्स
(स) स्मोकिंग (द) चुन्नटें ()

प्रश्न-3 कोट व सफारी सूट में जो डार्ट्स डाली जाती है -

- (अ) नेफ डार्ट्स (ब) फिस डार्ट्स
(स) एलबो डार्ट्स (द) डबल डार्ट्स ()

प्रश्न-4 कपड़ों का वह भाग जो सीधी व उल्टी तरफ से फोल्ड कर सिलाई में दबा दिया जाता है, उसे कहते है -

- (अ) प्लीट्स (ब) डार्ट्स
(स) स्मोकिंग (द) चुन्नटें ()

प्रश्न-5 जब कपड़ों को एक साइड में मोड़कर प्लीट दी जाती है, उसे कहते हैं -

- (अ) सेट प्लीट (ब) सादी प्लीट
(स) मीट प्लीट (द) इनवर्ट प्लीट ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-6 पतले भाग पर फिटिंग व उभरे भाग पर फुलनेस के लिये उल्टी तरफ जो सिलाई की जाती है, उसे क्या कहते हैं?

प्रश्न-7 कपड़ों का वह भाग जो उल्टी तरफ से फोल्ड कर दबा दिया जाता है, उसे क्या कहते हैं?

प्रश्न-8 जिसमें चुन्नटें कढ़ाई के माध्यम से डाली जाती हं, उसे कहते हैं?

प्रश्न-9 जो चुन्नटें मधुमक्खी के छत्ते की तरह होती हैं, उसे क्या कहते हैं?

प्रश्न-10 झालर अथवा फ़िल क्या है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-1) -

प्रश्न-11 डार्ट्स सिलाई क्यों की जाती है?

प्रश्न-12 प्लीट्स क्यों डाली जाती है?

प्रश्न-13 नेक डार्ट्स क्या है?

प्रश्न-14 स्मोकिंग क्या है?

प्रश्न-15 हनी कॉम्ब क्या है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (S-2) -

प्रश्न-16 आधी डार्ट्स का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-17 डिजाइन कटिंग में डार्ट्स का प्रयोग कैसे किया जाता है?

प्रश्न-18 गेदरिंग व गोजिंग में अन्तर बताइए?

प्रश्न-19 मशीन गोजिंग स्मोकिंग क्या है?

प्रश्न-20 स्मोकिंग कैसे की जाती है?

विषय-सिलाई (प्रायोगिक)

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-40

निर्देश- सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं।

प्रश्न-1 रुमाल पर स्टिच

- (i) रुमाल पर क्रास स्टिच कीजिए।
- (ii) रुमाल पर चेन स्टिच कीजिए।
- (iii) रुमाल पर लेडी डेजी स्टिच कीजिए।
- (iv) रुमाल पर हेरिंग बोन स्टिच कीजिए।
- (v) रुमाल पर काज स्टिच कीजिए।

प्रश्न-2 ड्रापिंग कटिंग एवं सिलाई

- (i) बिब की ड्रापिंग करके कटिंग व सिलाई कीजिए।
- (ii) बेबी चड्डी की ड्रापिंग करके कटिंग व सिलाई कीजिए।
- (iii) बेबी झबला की ड्रापिंग करके कटिंग व सिलाई कीजिए।
- (iv) बेबी समीज की ड्रापिंग करके कटिंग व सिलाई कीजिए।
- (v) रॉम्पर की ड्रापिंग करके कटिंग व सिलाई कीजिए।

विषय-सिलाई

कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

निर्देश-1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई पुस्तिका में ही लिखिये।

3. प्रश्न संख्या 1 के चार भाग हैं। प्रत्येक भाग के चार विकल्प अ, ब, स, द दिये गये हैं। सही उत्तराक्षर पुस्तिका में निम्न तालिका बनाकर दें।

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्न संख्या	अंक	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1(i-iv)	$\frac{3}{4} \times 4$	3
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	4	2	8
3.	लघुत्तरात्मक प्रश्न	11	3	33
4.	निबन्धात्मक प्रश्न	4	4	16
	कुल	20		60

प्रश्न-1 (i) स्लाइड प्लेट होती है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) वर्गाकार

(ब) वृताकार

(स) आयताकार

(द) त्रिभुजाकार

()

(ii) प्रेशर फूट को क्या कहते हैं -

 $\frac{3}{4}$

(अ) बूट

(ब) शूट

(स) जूट

(द) लूट

()

(iii) टेरीलीन के धागों का रंग होता है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) कच्चा

(ब) पक्का

(स) हल्का

(द) गहरा

()

(iv) खेल के समय पहननी चाहिये -

 $\frac{3}{4}$

(अ) पेन्ट

(ब) नेकर

(स) पायजामा

(द) उपरोक्त सभी

()

प्रश्न-2 ऊनी कपड़े किस मौसम में पहने जाते हैं?

2

प्रश्न-3 नायलोन का धागा कैसा होता है?

2

प्रश्न-4 कपास से कौन सा कपड़ा बनता है?

2

प्रश्न-5 बैक स्ट्रीच का दूसरा नाम क्या है?	2
प्रश्न-6 हाथ की सिलाइयों के नाम लिखिये।	3
प्रश्न-7 वस्त्रोद्योग के अधिकांश कारखानें कहाँ हैं?	3
प्रश्न-8 रेशम में कौन-कौन से गुण होते हैं?	3
प्रश्न-9 मानव निर्मित तन्तु कौन-कौन से हैं?	3
प्रश्न-10 ऐन्द्रीय तन्तु कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिये।	3
प्रश्न-11 जूट से क्या-क्या चीजें बनाई जाती हैं?	3
प्रश्न-12 तुरपाई (हेमस्टीच) किस-किसमें किया जाता है?	3
प्रश्न-13 चांपा टांका क्या है? यह किस-किसमें किया जाता है?	3
प्रश्न-14 कन्धे की नाप किस प्रकार लेते हैं?	3
प्रश्न-15 आस्तीन लम्बाई की नाप किस प्रकार लेते हैं?	3
प्रश्न-16 फैशन के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?	3
प्रश्न-17 वस्त्रों का चयन किन-किन आधारों पर किया जाता है?	4
प्रश्न-18 रेशमी धागा क्या काम आता है? चित्र बनाइये।	4
प्रश्न-19 धागा कितने प्रकार का होता है? नाम लिखिये।	4
प्रश्न-20 हाथ की मशीन का नामांकित चित्र बनाइये।	4

विषय-सिलाई (प्रायोगिक)

कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-40

निर्देश- सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

प्रश्न-1 फ़ेचनॉट द्वारा कढ़ाई करके रुमाल प्रस्तुत करना।	10
प्रश्न-2 क्रॉस स्टीच द्वारा रुमाल पर कढ़ाई करना।	10
प्रश्न-3 साधारण पायजामा का ड्राफ़्टिंग, कटिंग करके सिलाई करना।	20

विषय-सिलाई सैद्धान्तिक
कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

इकाई-1 सिलाई मशीन के प्रमुख भाग

गति चक्र, प्रेशर फूट, प्रेशर फूट बार, निडिल बार, प्रेशर फूट लिफ्टर, निडिल क्लैम्प, थैड टेकप लीवर, थालियां, दातें, निडिल प्लेट, स्लाइड प्लेट, सुई फेस प्लेट, खूटियां, हथ्थी, चित्र।

इकाई-2 सिलाई में काम आने वाले धागे

प्रकार- सूती धागा, रेशमी धागा, रेशमी धागा, टैरीलीन धागा, नायलोन का धागा, परिभाषा।

इकाई-3 वस्त्रों का चयन

ऋतुओं के आधार पर, आयु के आधार पर, लिंग के आधार पर, फैशन के आधार पर, रंगरूप के आधार पर, कार्य के आधार पर।

इकाई-4 वस्त्रों में नाप लेने की विधि

लम्बाई, कंधे की चौड़ाई, आस्तीन की लम्बाई, कमर की ऊँचाई, कमर की नाप, गले की नाप आदि एवं चित्र।

इकाई-5 कढ़ाई के टांके

क्रांस टांका, चेन स्टीच, हेरिंग बोन स्टीच, काज स्टीच, भरमा स्टीच, परिभाषा, चित्र।

इकाई-6 वस्त्रों की पहचान, प्रकृति एवं प्राप्ति

वस्त्रों की पहचान, प्रकृति एवं प्राप्ति

ऐन्द्रीय तन्तु- ऊनी एवं रेशमी,

वनस्पतीय तन्तु- सूती एवं लिनन

कृत्रिम या मानवकृत तन्तु- रेयॉन, नायलोन, टैरीलीन व डैकरॉन, धातुमय तन्तु।

विषय-सिलाई (प्रायोगिक)
कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-40

प्रश्न-1 फ़ेचनॉट (गाठ टांका), क्रांस स्टीच, हेरिंग बोन स्टीच, लेजी डेजी स्टीच, काज स्टीच, चित्र, कढ़ाई।

प्रश्न-2 ड्रापिंग, कटिंग व सिलाई -

- (i) सादा कच्छा
- (ii) साधारण पायजामा
- (iii) साधारण फ़ॉक
- (iv) अम्ब्रेला फ़ॉक
- (v) पेटिकोट

मूक बधिर बालकों के लिए प्रश्नमाला
विषय-सिलाई

इकाई-1 सिलाई मशीन के प्रमुख भाग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 मशीन में नीचे का धागा किसमें भरा जाता है -

- (अ) बॉबिन (ब) डिबिया
(स) शटिल (द) शटिल रेस ()

प्रश्न-2 मशीन को चलाने के लिए किसको घुमाना चाहिए -

- (अ) गति चक्र को (ब) हैण्डिल को
(स) लीवर को (द) पहिए को ()

प्रश्न-3 धागे का गट्टा किस पर रखा जाता है -

- (अ) स्पूल पिन (ब) बॉबिन
(स) शटिल (द) मशीन पर ()

प्रश्न-4 दांतों कहां लगे होते हैं -

- (अ) नीडिल प्लेट के नीचे (ब) स्लाइड प्लेट के नीचे
(स) नीडिल प्लेट के ऊपर (द) स्लाइड प्लेट के ऊपर ()

प्रश्न-5 स्लाइड प्लेट होती है -

- (अ) वर्गाकार (ब) वृताकार
(स) आयताकार (द) त्रिभुजाकार ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 प्रेशर फूट को क्या कहते हैं?

प्रश्न-2 फेस प्लेट का दूसरा नाम क्या है?

प्रश्न-3 नीडिल प्लेट की आकृति कैसी होती है?

प्रश्न-4 दाँतों का मुख्य क्या है?

प्रश्न-5 गति चक्र के पास क्या लगी होती है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 गति चक्र के क्या कार्य हैं?

प्रश्न-2 शटिल व शटिल रेस में क्या अन्तर है?

प्रश्न-3 बॉबिन व बॉबिन केस में क्या अन्तर है?

प्रश्न-4 सुई वाले गज और पैर वाले गज में क्या-क्या भिन्नताएं हैं?

प्रश्न-5 बेलेन्स व्हील (स्टॉप मोशन स्कू) किस काम आता है?

प्रश्न-6 शटिल किसे कहते हैं? तथा इसकी आकृति कैसी होती है?

प्रश्न-7 प्रेशर फूट किसे कहते हैं? इसका चित्र भी बनाइये।

प्रश्न-8 हाथ की मशीन का नामांकित चित्र बनाइये।

प्रश्न-9 स्लाइड प्लेट व नीडिल प्लेट में क्या अन्तर है?

प्रश्न-10 खूंटिया (स्पूल पिन) की परिभाषा लिखिये तथा यह मशीन कहां लगी होती है?

इकाई-2 सिलाई में काम आने वाले धागे

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 सिलाई करते समय धागे का प्रयोग करना चाहिए -

- (अ) उच्च कोटि (ब) निम्न कोटि
(स) मध्यम कोटि (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ()

प्रश्न-2 8 से 40 नम्बर का धागा होता है -

- (अ) मोटा (ब) पतला
(स) मोटा व मजबूत (द) मजबूत ()

प्रश्न-3 गोटा किनारी लगाने में धागा किस नम्बर का काम में आता है -

- (अ) 100 नम्बर (ब) 200 नम्बर
(स) 300 नम्बर (द) 400 नम्बर ()

प्रश्न-4 टैरीलीन के धागों का रंग होता है -

- (अ) कच्चा (ब) पक्का
(स) हल्का (द) गहरा ()

प्रश्न-5 कढ़ाई के काम आता है -

- (अ) रेशमी धागा (ब) सूती धागा
(स) टैरीलीन धागा (द) नाईलोन धागा ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 नाईलोन का धागा कैसा होता है?

प्रश्न-2 रेशमी धागा क्या काम आता है?

प्रश्न-3 8, 10, व 20 नम्बर का धागा क्या काम आता है?

प्रश्न-4 20, 30, व 40 नम्बर का धागा क्या काम आता है?

प्रश्न-5 कपास से कौन-सा कपड़ा बनता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 धागे कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।

प्रश्न-2 रेशमी व नाइलोन के धागों का प्रयोग किन कार्यों में किया जाता है?

प्रश्न-3 रेशमी धागा क्या काम आता है? तथा चित्र भी बनाइये।

प्रश्न-4 नाइलोन के धागे का प्रयोग अधिकतर किस धागे के साथ किया जाता है?

प्रश्न-5 बाजार में धागे कितने प्रकार के मिलते हैं?

इकाई-3 वस्त्रों का चयन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 ऊनी कपड़े पहनते हैं -

- (अ) सर्दी (ब) गर्मी
(स) वर्षा (द) उपरोक्त सभी ()

प्रश्न-2 मुलायम व पतले कपड़े कौन पहनता है -

- (अ) पुरुष (ब) महिला
(स) बूढ़े (वृद्ध) (द) बच्चे ()

प्रश्न-3 मिल में काम करने वाले व्यक्ति को कपड़े पहनने चाहिए -

- (अ) खाकी या मलेशिया रंग के (ब) खाकी रंग के
(स) सफेद रंग के (द) काले रंग के ()

प्रश्न-4 खेल के समय क्या पहनने चाहिए -

- (अ) नेकर (ब) पेन्ट
(स) पायजामा (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ()

प्रश्न-5 गर्मी में कौन से कपड़े पहनते हैं -

- (अ) मोटे (ब) ऊनी
(स) पतले व सूती (द) उपरोक्त सभी ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 ऊनी कपड़े किस मौसम में पहने जाते हैं?

प्रश्न-2 छोटे बच्चे को कौन से कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-3 नेकर कब पहननी चाहिए?

प्रश्न-4 गर्मी में कौन से कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-5 टेनिस खेलते समय कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 वस्त्रों का चयन किन-किन आधारों पर किया जाता है?

प्रश्न-2 ऋतुओं के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-3 आयु के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-4 लिंग के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-5 रंगरूप के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

प्रश्न-6 फैशन के आधार पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए?

इकाई-4 वस्त्रों में नाप लेने की विधि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 गर्दन के चारों तरफ से ली जाने वाली नाप को कहते हैं -

- (अ) सीने की नाप (ब) गले की नाप
(स) कन्धे की नाप (द) सीट की नाप ()

प्रश्न-2 कमर में नाभी के पास शरीर के चारों तरफ ली जाने वाली नाप कहलाती है -

- (अ) कमर की नाप (ब) सीने की नाप
(स) लम्बाई की नाप (द) गर्दन की नाप ()

प्रश्न-3 मनुष्य के शरीर की नाप किससे ली जाती है -

- (अ) इंच टेप (ब) स्केल
(स) गुनिया (द) उपरोक्त सभी ()

प्रश्न-4 एक कन्धे से दूसरे कन्धे तक कौन सी नाप ली जाती है -

- (अ) सीट की नाप (ब) कन्धे की नाप
(स) सीने की नाप (द) कमर की नाप ()

प्रश्न-5 आस्तीन की लम्बाई से आरम्भ होकर कलाई तक ली जाने वाली नाप कहलाती है -

- (अ) आस्तीन लम्बाई की नाप (ब) आस्तीन गोलाई की नाप
(स) कमर ऊंचाई की नाप (द) लम्बाई की नाप ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 कन्धे की नाप कहां से कहां तक ली जाती है?

प्रश्न-2 कमर की नाप कैसे ली जाती है?

प्रश्न-3 मनुष्य की नाप किससे ली जाती है?

प्रश्न-4 गले के चारों तरफ से कौन सी नाप ली जाती है?

प्रश्न-5 सीने की नाप कैसे लेते हैं?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 गले (गर्दन) की नाप किस प्रकार ली जाती है?

प्रश्न-2 कमर ऊंचाई की नाप कैसे ली जाती है?

प्रश्न-3 आस्तीन लम्बाई की नाप कैसे लेते हैं?

प्रश्न-4 लम्बाई की नाप किस प्रकार ली जाती है?

प्रश्न-5 गर्दन की नाप लेते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

प्रश्न-6 सीने की नाप किस प्रकार ली जाती है?

प्रश्न-7 कन्धे की नाप किस प्रकार ली जाती है?

प्रश्न-8 मनुष्य के ऊपरी भाग में पहने जाने वाले वस्त्रों की नाप किस क्रम में लेते हैं?

प्रश्न-9 मनुष्य के शरीर में निचले भाग में पहने जाने वाले वस्त्रों की नाप किस क्रम में लेते हैं?

इकाई-5 कढ़ाई के टांके

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 किनारों की डिजाइन बनाने में कौन-सी स्टीच काम में आती है -

- (अ) क्रॉस स्टीच (ब) हेरिंग बोन स्टीच
(स) चेन स्टीच (द) लेजी डेजी स्टीच ()

प्रश्न-2 सिलाई मशीन के अभाव में कौन-सी स्टीच काम में आती है -

- (अ) बखिया (बेक स्टीच) (ब) क्रॉस स्टीच
(स) चेन स्टीच (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ()

प्रश्न-3 गर्म अथवा टैरेलीन की पेन्टों में कौन-सी सिलाई की जाती है -

- (अ) चांपा टांका (ब) बेक टांका
(स) कौटा टांका (द) काज टांका ()

प्रश्न-4 तुरपाई करने से वस्त्रों में क्या आती है -

- (अ) सुन्दरता (ब) असुन्दरता
(स) सुन्दर (द) उपरोक्त सभी ()

प्रश्न-5 चेन स्टीच की आकृति कैसी होती है -

- (अ) जंजीर के समान (ब) क्रॉस के समान
(स) हेरिंग बोन के समान (द) उपरोक्त में से कोई नहीं ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 बेक स्टीच का दूसरा नाम क्या है?

प्रश्न-2 चेन स्टीच को क्या कहते हैं?

प्रश्न-3 क्रॉस स्टीच किसमें काम आता है?

प्रश्न-4 मार्क उठाना सबसे अधिक किसमें आता है?

प्रश्न-5 चेन स्टीच किस पर किया जाता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 काज स्टीच किसे कहते हैं? चित्र बनाओ।

प्रश्न-2 काज स्टीच किस-किस में किया जाता है?

प्रश्न-3 तुरपाई (हेम स्टीच) किस-किस में किया जाता है?

प्रश्न-4 कच्चा टांका किसे कहते हैं? चित्र बनाओ।

प्रश्न-5 चांपा टांका क्या है तथा यह किस-किस में किया जाता है?

प्रश्न-6 बेक स्टीच (बखिया) क्या है तथा यह क्या काम आता है?

प्रश्न-7 हाथ की सिलाइयों के नाम लिखिये?

प्रश्न-8 जंजीर टांका किसे कहते हैं? तथा चित्र बनाइये।

प्रश्न-9 मार्क उठाना क्या है? तथा यह किस-किस में किया जाता है?

इकाई-6 वस्त्रों की पहचान, प्रकृति एवं प्राप्ति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न-1 संसार में रेशम उत्पन्न करने वाले देशों में भारत का स्थान कौन-सा है -

- (अ) पहला (ब) दूसरा
(स) तीसरा (द) चौथा ()

प्रश्न-2 सबसे अच्छी ऊन किस भेड़ की होती है -

- (अ) सफेद भेड़ (ब) मेरीनो भेड़
(स) मेरीनो बकरी (द) उपरोक्त सभी ()

प्रश्न-3 कपास से कपड़ा बनता है -

- (अ) सूती (ब) रेशमी
(स) टैरेलीन (द) नायलोन ()

प्रश्न-4 भारत भर में प्रसिद्ध कोटा डोरिया का उद्योग राजस्थान के किस नगर में है ?

- (अ) कोटा (ब) कलकत्ता
(स) बूंदी (द) मद्रास ()

प्रश्न-5 जूट से बने कपड़े को क्या कहते हैं -

- (अ) टाट (ब) बोरी
(स) कपड़ा (द) उपरोक्त सभी ()

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 वस्त्रोद्योग के अधिकांश कारखाने कहां हैं?

प्रश्न-2 सबसे पहले रेयॉन का कारखाना कब स्थापित हुआ?

प्रश्न-3 संसार में ऊन पैदा करने वाले देशों में भारत का स्थान कौन सा है?

प्रश्न-4 रेशम के कीड़े क्या खाकर जीवित रहते हैं?

प्रश्न-5 तीव्र ताप के प्रभाव से नायलोन क्या होता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 रेशम में कौन-कौन से गुण होते हैं? लिखिये।

प्रश्न-2 ऊनी वस्त्र के कारखाने विशेष रूप से कहां-कहां पर हैं?

प्रश्न-3 रेशम किससे व कैसे प्राप्त किया जाता है?

प्रश्न-4 जूट से क्या-क्या चीजें बनायी जाती हैं?

प्रश्न-5 धातुमय तन्तुओं से बनने वाले कपड़े कौन-कौन से हैं?

प्रश्न-6 मानव निर्मित तन्तु कौन-कौन से हैं?

प्रश्न-7 नायलोन के धागे से क्या-क्या बनाये जाते हैं?

प्रश्न-8 ऊनी कपड़ा बनाने के लिये अधिकतर किन जानवरों के बालों का प्रयोग किया जाता है?

प्रश्न-9 ऐन्द्रीय तन्तु कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिये।

विषय-काष्ठकला

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

निर्देश-1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई पुस्तिका में ही लिखिये।

3. प्रश्न संख्या 1 के चांग भाग है। प्रत्येक भाग के चार विकल्प अ, ब, स, द दिये गये हैं। सही उत्तराक्षर पुस्तिका में निम्न तालिका बनाकर दें।

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्न संख्या	अंक	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1(i-iv)	$\frac{3}{4} \times 4$	3
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	4	2	8
3.	लघुत्तरात्मक प्रश्न	11	3	33
4.	निबन्धात्मक प्रश्न	4	4	16
	कुल	20		60

प्रश्न-1 (i) कृत्रिम लकड़ी कितने प्रकार की होती हैं -

 $\frac{3}{4}$

(अ) तीन (ब) चार

(स) पांच (द) दो

()

(ii) पेंच कितने प्रकार के होते हैं -

 $\frac{3}{4}$

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

()

(iii) फेविकोल किस काम आता है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) लकड़ी चिपकाने के (ब) लकड़ी तोड़ने के

(स) लकड़ी के पॉलिश के (द) लकड़ी साफ करने के

()

(iv) निम्न में से पक्की लकड़ी कौन सी है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) अरण्ड (ब) केला

(स) बबूल (द) पपीता

()

प्रश्न-2 रेती कितने प्रकार की होती हैं?

2

प्रश्न-3 लकड़ी के धरातल व कोण की जांच करने वाले उपकरण का नाम लिखिए? 2

प्रश्न-4 लकड़ी में फंसी कील को पकड़कर कौन से उपकरण द्वारा निकाला जाता है?	2
प्रश्न-5 पत्थर तथा दीवार में छेद करने के लिए कौन सी मशीन काम आती है?	2
प्रश्न-6 आरा मशीन किस काम आती है?	3
प्रश्न-7 प्राथमिक उपचार किसे कहते हैं?	3
प्रश्न-8 कच्ची लकड़ी किसे कहते हैं?	3
प्रश्न-9 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक विधियां कौन-कौन सी हैं?	3
प्रश्न-10 काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए उपयोगी लकड़ियों के नाम लिखिए।	3
प्रश्न-11 पक्की किन पेड़ों से प्राप्त होती है?	3
प्रश्न-12 रन्दा क्या काम आता है?	3
प्रश्न-13 जांचने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।	3
प्रश्न-14 धनुष आरी के उपयोग लिखिए?	3
प्रश्न-15 बसूला की उपयोगिता बताइए?	3
प्रश्न-16 लकड़ी में रेशे कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।	3
प्रश्न-17 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश क्यों करते हैं? समझाइए।	4
प्रश्न-18 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक व बनावटी विधि में कोई 4 अन्तर लिखिए?	4
प्रश्न-19 अच्छी लकड़ी के गुणों (विशेषताएं) को स्पष्ट कीजिये?	4
प्रश्न-20 आरा मशीन का नामांकित चित्र बनाइये।	4

विषय-काष्ठकला (प्रायोगिक)

कक्षा-9 प्रथम

समय: 3 घण्टा

पूर्णांक-40

निर्देश- सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

प्रश्न-1 6" × 6" माप की लकड़ी की गुल्लक बनाकर प्रस्तुत करें।	15
प्रश्न-2 8 × 6 माप की लकड़ी का पाटा बनाकर प्रस्तुत करें।	15
प्रश्न-3 अभिलेख पुस्तिका।	10

मूक बधिर बालकों के लिए प्रश्नमाला
कक्षा-9 प्रथम
विषय-काष्ठकला

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

- प्रश्न-1 लकड़ी कितने प्रकार की होती है?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पांच (अ)
- प्रश्न-2 कृत्रिम लकड़ी कितने प्रकार की होती है?
(अ) तीन (ब) दो
(स) चार (द) पांच (ब)
- प्रश्न-3 प्राकृतिक लकड़ी कितने प्रकार की होती है?
(अ) चार (ब) दो
(स) पांच (द) तीन (ब)
- प्रश्न-4 लकड़ी में कितने प्रकार के दोष पाये जाते हैं?
(अ) तीन (ब) चार
(स) दो (द) पांच (स)
- प्रश्न-5 आरी किस काम आती है?
(अ) लकड़ी काटने के (ब) कील ठोकने के
(स) कील निकालने के (द) पेंच कसने के (अ)
- प्रश्न-6 आरी कितने प्रकार की होती है?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पांच (अ)
- प्रश्न-7 धनुष आरी किस काम आती है?
(अ) लकड़ी काटने के (ब) लोहा काटने के
(स) पेच कसने के लिए (द) कोई नहीं (ब)
- प्रश्न-8 लकड़ी को नापने के काम आता है?
(अ) फीता (ब) आरी
(स) खतकस (द) पेचकस (अ)
- प्रश्न-9 पेच कितने प्रकार के होते हैं?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार (स)

- प्रश्न-10 लकड़ी में रेशे कितने प्रकार के होते हैं -
 (अ) एक (ब) दो
 (स) तीन (द) चार (द)
- प्रश्न-11 फेविकोल किस काम आता है?
 (अ) लकड़ी चिपकाने के (ब) लकड़ी जोड़ने के
 (स) पॉलिश करने के (द) लकड़ी साफ करने के (अ)
- प्रश्न-12 गुनिया किस काम आता है?
 (अ) लकड़ी काटने के (ब) पेच कसने के
 (स) लकड़ी नापने के (द) कोई नहीं (स)
- प्रश्न-13 निम्न में से कौन सी वस्तु प्राथमिक उपचार पेटी में नहीं होती है?
 (अ) पट्टी (ब) डिटॉल
 (स) कैंची (द) कील (ब)
- प्रश्न-14 कच्ची लकड़ी किस पेड़ से प्राप्त होती है?
 (अ) बबूल (ब) अरडू
 (स) सागवान (द) शीशम (ब)
- प्रश्न-15 पक्की लकड़ी किस पेड़ से प्राप्त होती है?
 (अ) अरण्ड (ब) अरडू
 (स) पपीता (द) सागवान (द)
- प्रश्न-16 लकड़ी सुखाने की विधि कितने प्रकार की होती है?
 (अ) दो (ब) तीन
 (स) चार (द) पांच (अ)
- प्रश्न-17 थिनर किस काम आता है?
 (अ) चिपकाने के (ब) पॉलिश करने के
 (स) सफाई करने के (द) कोई नहीं (ब)
- प्रश्न-18 लकड़ी सुखाने की बनावटी विधि कितने प्रकार की है?
 (अ) दो (ब) तीन
 (स) चार (द) पांच (द)
- प्रश्न-19 निम्न में से पक्की लकड़ी है -
 (अ) अरण्ड (ब) केला
 (स) बबूल (द) पपीता (स)
- प्रश्न-20 निम्न में से कच्ची लकड़ी है -
 (अ) अरडू (ब) शीशम
 (स) सागवान (द) नीम (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो -

प्रश्न-21 रेतियां बनी होती हैं?

उत्तर- पक्के लोहे की

प्रश्न-22 पेंच प्रकार के होते हैं?

उत्तर- तीन

प्रश्न-23 गुनिया का प्रयोग लकड़ी के की जांच करने में किया जाता है?

उत्तर- धरातल

प्रश्न-24 आरी का उपयोग..... किया जाता है?

उत्तर- लकड़ी काटने में

प्रश्न-25 पेंच कसने व खोलने में का उपयोग होता है?

उत्तर- पेंचकस

प्रश्न-26 लकड़ी खोखली हो जाती है?

उत्तर- दीमक लगने पर

प्रश्न-27 परकार लकड़ी पर निशान लगाने के काम आता है?

उत्तर- गोल

प्रश्न-28 जोड़ प्रकार के होते हैं?

उत्तर- विभिन्न

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 लकड़ी कितने प्रकार की होती है?

उत्तर- लकड़ी दो प्रकार की होती है -

(1) प्राकृतिक लकड़ी

(2) कृत्रिम लकड़ी

प्रश्न-2 लकड़ी में स्वाभाविक दोष कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- लकड़ी में स्वाभाविक दोष दो प्रकार के होते हैं?

(1) गांठें बनना

(2) ऐंठन

प्रश्न-3 लकड़ी में रेशे कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर- लकड़ी में रेशे चार प्रकार के होते हैं?

(1) सीधे रेशे

(2) आड़े तिरछे रेशे

(3) मोटे रेशे

(4) बारीक पतले रेशे

प्रश्न-4 ठोकने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- ठोकने वाले यंत्र चार प्रकार के होते हैं -

(1) हथौड़ी

(2) पंजेदार हथौड़ी

(3) मूंगरी

(4) नेलपंच

प्रश्न-5 जांचने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- जांचने वाले यंत्र निम्न हैं -

(1) फीता

(2) स्केल

(3) गुनिया

(4) परकार

प्रश्न-6 निकालने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- निकालने वाले यंत्र 5 प्रकार के हैं -

(1) पेंचकस

(2) प्लायर्स

(3) जम्बूर

(4) पंजेदार हथौड़ी

(5) नेल

प्रश्न-7 रेती कितने प्रकार की होती हैं?

उत्तर- रेती छः प्रकार की होती हैं?

प्रश्न-8 आरियां कितने प्रकार की होती हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- आरियां दो प्रकार की होती हैं -

(1) झा सॉ

(2) पुश सॉ

प्रश्न-9 गुनिया क्या काम आता है?

उत्तर- गुनिया लकड़ी के धरातल, कोण व नाप की जांच करने के काम आता है।

प्रश्न-10 बसूला क्या काम आता है?

उत्तर- बसूला लकड़ी को आवश्यकतानुसार छीलकर काटने के काम आता है।

प्रश्न-11 हथौड़ी क्या काम आती है?

उत्तर- हथौड़ी किसी वस्तु को तोड़ने, पीटने व ठोकने के काम आती है?

प्रश्न-12 मुंगरी क्या काम आती है?

उत्तर- मुंगरी लकड़ी के जोड़ ठोककर सही बैठाने के काम आती है।

प्रश्न-13 जम्बूर क्या काम आती है?

उत्तर- जम्बूर लकड़ी में फंसी कील को निकालने के काम आती है।

प्रश्न-14 प्लायर्स क्या काम आता है?

उत्तर- प्लायर्स तार को जोड़ने, काटने व किसी वस्तु को मजबूती से पकड़ने के काम आता है।

प्रश्न-15 पेंचकस क्या काम आता है?

उत्तर- पेंचकस पेंच कसने व खोलने के काम आता है।

प्रश्न-16 गिरमट क्या काम आता है?

उत्तर- गिरमट लकड़ी में छेद निकालने के काम आता है।

प्रश्न-17 आरी क्या काम आती है?

उत्तर- आरी लकड़ी को चीरने व काटने के काम आती है।

प्रश्न-18 कुल्हाड़ी क्या काम आती है?

उत्तर- कुल्हाड़ी लकड़ी काटने के काम आती है?

प्रश्न-19 सूमा क्या काम आता है?

उत्तर- सूमा कील को लकड़ी के अन्दर तक ठोकने के काम आता है।

प्रश्न-20 रेती क्या काम आती है?

उत्तर- रेती लकड़ी को या फर्नीचर को घिसकर चिकना व समतल करने के काम आती है।

प्रश्न-21 फीता क्या काम आता है?

उत्तर- फीता फर्नीचर बनाने के लिए लकड़ी को नापने के काम आता है।

प्रश्न-22 स्केल क्या काम आता है?

उत्तर- स्केल लकड़ी को नापने के काम आता है।

प्रश्न-23 रन्दा क्या काम आता है?

उत्तर- रन्दा लकड़ी को छिलकर पतला, चिकना व समतल करने के काम आता है।

प्रश्न-24 ड्रिल मशीन क्या काम आती है?

उत्तर- ड्रिल मशीन लकड़ी, पत्थर व दीवार में छेद करने के काम आती है।

प्रश्न-25 शिकंजा क्या काम आता है?

उत्तर- शिकंजा लकड़ी को मजबूती से पकड़ने के काम आता है।

प्रश्न-26 परकार क्या काम आता है?

उत्तर- परकार लकड़ी पर गोल व अन्य निशान लगाने के काम आता है।

प्रश्न-27 सिल्ली क्या काम आती है?

उत्तर- सिल्ली लोहे के औजारों के धार लगाने के काम आती है।

प्रश्न-28 नेलपंच क्या काम आता है?

उत्तर- नेलपंच कील को लकड़ी के अन्दर तक ठोकने के काम आता है।

प्रश्न-29 पंजेदार हथौड़ी क्या काम आती है?

उत्तर- पंजेदार हथौड़ी कील ठोकने व लकड़ी में फँसी कील को निकालने के काम आती है।

प्रश्न-30 खतकस क्या काम आता है?

उत्तर- खतकस का प्रयोग लकड़ी पर समान्तर निशान लगाने के काम आता है।

प्रश्न-31 रेगमाल क्या काम आता है?

उत्तर- रेगमाल बने हुये फर्नीचर को घिसकर चिकना, चकमदार व समतल बनाने के काम आता है।

प्रश्न-32 चौरसी किस काम आती है?

उत्तर- चौरसी लकड़ी के जोड़ बनाने के लिए चूल बनाने के काम आती है।

प्रश्न-33 धनुष आरी क्या काम आती है?

उत्तर- धनुष आरी लोहा काटने के काम आती है।

प्रश्न-34 बिन्दनी क्या काम आती है?

उत्तर- बिन्दनी से लकड़ी में छेद व गढ़दे बनाने के काम आती है।

प्रश्न-35 छेनी क्या काम आती है?

उत्तर- छेनी लोहा काटने के काम आती है।

प्रश्न-36 आरा मशीन क्या काम आती है?

उत्तर- आरा मशीन पेड़ से कटी हुई लकड़ी को आवश्यकतानुसार काटने के काम आती है।

प्रश्न-37 प्राथमिक उपचार किसे कहते हैं?

उत्तर- अचानक दुर्घटना होने पर डाक्टर के आने से पूर्व किया जाने वाला उपचार प्राथमिक उपचार कहलाता है।

प्रश्न-38 नापने वाला यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- जिन यंत्रों से लकड़ी की नाप की जाती है, उन्हें नापने वाला यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-39 झा सॉ आरी किसे कहते हैं?

उत्तर- वे आरियां जो अपनी ओर खींचने पर लकड़ी काटती हैं, उन्हें झा सॉ आरी कहते हैं।

प्रश्न-40 पुश सॉ आरी किसे कहते हैं?

उत्तर- वे आरियां जो आगे की ओर धक्का मारने पर लकड़ी काटती हैं, उन्हें पुश सॉ आरी कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 काष्ठकला में काम आने वाले प्रमुख औजारों के नाम लिखो।

उत्तर- काष्ठकला में काम आने वाले प्रमुख औजारों निम्न है -

- (1) पेंचकस
- (2) प्लायर्स
- (3) हथौड़ी
- (4) जम्बर
- (5) रन्दा
- (6) आरी
- (7) पेंच
- (8) फीता
- (9) स्केल
- (10) गुनिया
- (11) ड्रिल मशीन
- (12) आरा मशीन

प्रश्न-2 लकड़ी में बनावटी दोष कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर- लकड़ी में निम्न प्रकार के बनावटी दोष होते हैं -

- (1) चटकना
- (2) बाहर से फटना
- (3) अन्दर से लकड़ी कटना
- (4) चारों ओर से लकड़ी पाटना
- (5) झिरी पड़ना
- (6) कमान होना
- (7) ऐंठन

प्रश्न-3 ठोकने वाले यन्त्र किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी वस्तु को सही करने, लकड़ी में गद्दी करने, उसे छीलने तथा लकड़ी के जोड़ों को ठीक से फिट करने के लिए जिन यंत्रों से ठोका जाता है, उन्हें ठोकने वाले यन्त्र कहते हैं।

प्रश्न-4 निकालने वाले यन्त्र किसे कहते हैं?

उत्तर- लकड़ी या लोहे के फर्नीचर या अन्य वस्तु से पेंच या कील को जिन यंत्रों से बाहर निकालते हैं, उन्हें निकालने वाले यन्त्र कहते हैं?

प्रश्न-5 जांचने वाले यन्त्र किसे कहते हैं?

उत्तर- लकड़ी को काटकर उससे फर्नीचर बनाने के लिए उसकी नापकर उसके धरातल, कोण व गोलाई की जांच करने के लिए जो यंत्र काम में लेते हैं, उन्हें जांचने वाले यन्त्र कहते हैं?

प्रश्न-6 रेती कितने प्रकार की होती हैं?

उत्तर- रेती छः प्रकार की होती हैं-

- (1) चमटी रेती
- (2) गोल रेती
- (3) अर्द्ध गोल रेती
- (4) तिकोरी रेती
- (5) रास्प रेती
- (6) रेटवैल रेती

प्रश्न-7 पुश सॉ आरियां कितने प्रकार की होती हैं?

उत्तर- पुश सॉ आरियां तीन प्रकार की होती हैं-

- (1) सीधी रेखा में लकड़ी काटने वाली आरी
- (2) आड़ी रेखा में लकड़ी काटने वाली आरी
- (3) गोलाई में लकड़ी काटने वाली आरी

प्रश्न-8 लकड़ी काटने वाले यन्त्र किसे कहते हैं?

उत्तर- छोटी लकड़ी से लेकर बड़ी लकड़ी तक काटने में जो यंत्र काम में आते हैं, उन्हें लकड़ी काटने वाले यन्त्र कहते हैं।

प्रश्न-9 काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए उपयोगी लकड़ियों के नाम लिखो।

उत्तर- फर्नीचर बनाने के लिए निम्न प्रकार की लकड़ी उपयोगी है-

- (1) नीम की लकड़ी
- (2) शीशम की लकड़ी
- (3) बबूल की लकड़ी
- (4) सागवान की लकड़ी
- (5) चीढ़ की लकड़ी
- (6) रोहिड़ा की लकड़ी
- (7) अरडू की लकड़ी
- (8) आम की लकड़ी

(9) बेर की लकड़ी

प्रश्न-10 काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए काम आने वाली कृत्रिम लकड़ियों के नाम लिखो?

उत्तर- फर्नीचर बनाने के लिए निम्न प्रकार की कृत्रिम लकड़ियों का उपयोग किया जाता है-

- (1) प्लाई
- (2) हार्ड बोर्ड
- (3) सनमाइका
- (4) घास बोर्ड
- (5) नोवा बोर्ड

प्रश्न-11 कच्ची लकड़ी किसे कहते हैं?

उत्तर- कच्ची लकड़ी का तना सफेद तथा मुलायम होता है तथा मज्जा की मात्रा कम और वजन में हल्की होती है, उन्हें कच्ची लकड़ी कहते हैं? जैसे- आम, अरडू

प्रश्न-12 पक्की लकड़ी किसे कहते हैं?

उत्तर- पक्की लकड़ी का तना लाल तथा कठोर होता है तथा मज्जा की मात्रा अधिक और वजन भारी होता है, उन्हें पक्की लकड़ी कहते हैं? जैसे- शीशम, सागवान

प्रश्न-13 कच्ची लकड़ी किन-किन पेड़ों से प्राप्त होती है?

उत्तर- कच्ची लकड़ी अरडू, अरण्ड, गुलमोहर आदि पेड़ों से प्राप्त होती है।

प्रश्न-14 पक्की लकड़ी किन पेड़ों से मिलती है?

उत्तर- पक्की लकड़ी निम्न पेड़ों से मिलती है-

- (1) नीम
- (2) शीशम
- (3) सागवान
- (4) चीढ़
- (5) रोहिड़ा
- (6) शहतूत
- (7) बबूल

प्रश्न-15 लकड़ी सुखाने की कौन-कौन सी विधियां हैं?

उत्तर- लकड़ी सुखाने की दो विधियां हैं-

- (1) प्राकृतिक विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (2) कृत्रिम/बनावटी विधि

प्रश्न-16 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक विधियां कौन-कौन सी हैं-

उत्तर- लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक विधियां दो प्रकार की हैं-

(1) हवा विधि द्वारा लकड़ी सुखाना

(2) पानी विधि द्वारा लकड़ी सुखाना

प्रश्न-17 हवा द्वारा लकड़ी सुखाने की विधि से क्या लाभ है?

उत्तर- हवा द्वारा लकड़ी सुखाने की विधि से निम्न लाभ है-

(1) यह विधि किसी भी स्थान पर आसानी से सस्ती बनाई जा सकती है।

(2) लकड़ी काटने के तुरन्त बाद ही इस विधि को शुरु किया जा सकता है।

(3) इस विधि से सुखाई गई लकड़ी पर आसानी से काम किया जा सकता है।

प्रश्न-18 गर्म हवा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- दो बड़े मोटी दीवार से बने कमरों में लकड़ी के लट्टों को एक के ऊपर एक रखकर जमाते हैं फिर कमरों को विद्युत हीटर या आग से गर्म किया जाता है। जिससे कमरे का ताप बढ़ जाता है। ताप से लकड़ी की नमी बाहर निकलकर कमरे में ऊपर बने रोशनदान से बाहर निकल जाती है तथा लकड़ी सूखती जाती है।

प्रश्न-19 कृत्रिम लकड़ी कितने प्रकार की होती हैं? नाम लिखिये।

उत्तर- कृत्रिम लकड़ी पांच प्रकार की होती हैं-

(1) प्लाई बोर्ड

(2) हार्ड बोर्ड

(3) घास बोर्ड

(4) पिन बोर्ड

(4) सनमाइका

प्रश्न-20 लकड़ी काटने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- छोटी लकड़ी से लेकर बड़ी लकड़ी तक काटने में जो यंत्र काम आते हैं, उन्हें काटने वाले यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-21 लकड़ी सुखाना क्यों आवश्यक है?

उत्तर- लकड़ी में फैलने व सिकुड़ने का गुण होता है। कोई लकड़ी अधिक फैलती व सिकुड़ती है कोई कम। गीली लकड़ी भारी भी होती है तथा गीली लकड़ी को छीलने पर उसमें सफाई भी नहीं आती है। गीली लकड़ी के जोड़/साल भी ढीले हो जाते हैं। गीली लकड़ी पर रंग पॉलिश अथवा वार्निश भी सही तरीके से नहीं होती है। इन सब खराबियों से बचने के लिए लकड़ी सुखाना आवश्यक है।

प्रश्न-22 छीलने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- जिन चंत्रों से लकड़ी को छीलकर पतला व सही आकार में किया जाता है, उन्हें छीलने वाले यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-23 लकड़ी को चिपकाने वाले पदार्थों के नाम लिखिये।

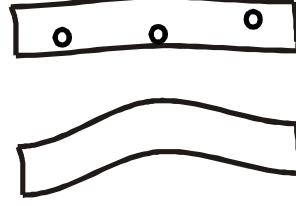
उत्तर- लकड़ी को चिपकाने वाले पदार्थ निम्न है-

- (1) केमीकोल
- (2) फेविकोल
- (3) शोवीकोल
- (4) मोवीकोल

प्रश्न-24 स्वाभाविक दोष किसे कहते हैं?

उत्तर- ऐसे दोष जो अपने आप पैदा होते हैं, उन्हें स्वाभाविक दोष कहते हैं। जैसे-

- (1) गांठे बनना
- (2) ऐंठन होना



प्रश्न-25 लकड़ी के बनावटी दोष किसे कहते हैं?

उत्तर- ऐसे दोष जो लकड़ी काटने के बाद पैदा होते हैं, उन्हें बनावटी दोष कहते हैं।

जैसे- चटकना, फटना एवं झिरी पड़ना।

प्रश्न-26 प्राथमिक उपचार पेटी में क्या-क्या सामग्री होती है?

उत्तर- प्राथमिक उपचार पेटी में निम्न सामग्री होती है-

- (1) रुई
- (2) डिटॉल
- (3) पट्टी
- (4) कैंची
- (5) टिंचर आयोडीन
- (6) खपच्ची

प्रश्न-27 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश क्यों करते हैं?

उत्तर- लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश इसलिए करते हैं कि-

- (1) फर्नीचर देखने में अच्छा लगे।
- (2) फर्नीचर सुन्दर व चकमदार बनता है।
- (3) फर्नीचर में कीड़े नहीं लगते हैं।
- (4) फर्नीचर अधिक समय तक चलता है।
- (5) फर्नीचर के अच्छे पैसे मिलते हैं।

प्रश्न-28 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

उत्तर- लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश के लिए निम्नलिखित सामग्री चाहिए-

- (1) पोटिन

- (2) फेविकोल
- (3) तारपीन का तेल
- (4) थिनर
- (5) बुश
- (6) सिंप्रट
- (7) केरोसीन
- (8) रेगमॉल
- (9) पेन्ट आदि।

प्रश्न-29 आरा मशीन का चित्र बनाइये।

उत्तर-



प्रश्न-30 ड्रिल मशीन का चित्र बनाइये।

उत्तर-



प्रश्न-31 प्राथमिक उपचार पेटी का चित्र बनाइये।

उत्तर-



निबन्धात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 लकड़ी सुखाने की बनावटी (कृत्रिम) विधियां कौन-कौन सी हैं?

उत्तर- लकड़ी सुखाने की बनावटी (कृत्रिम) विधि चार प्रकार की होती हैं?

- (1) गर्म पानी विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (2) लकड़ी को गर्म करके सुखाना
- (3) यांत्रिक विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (4) धुनी द्वारा लकड़ी सुखाना

प्रश्न-2 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक व बनावटी विधि में क्या अन्तर है?

उत्तर-लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक व बनावटी विधि में निम्न अन्तर होता है -

प्राकृतिक विधि	बनावटी विधि
(1) यह विधि सस्ती होती है।	(1) यह विधि सस्ती होती है
(2) इस विधि में समय अधिक लगता है।	(2) इस विधि में समय कम लगता है।
(3) इस विधि से लकड़ी के गुण व लचक नष्ट नहीं होती है।	(3) इस विधि से लकड़ी के गुण व लचक में कमी आ जाती है।
(4) इस विधि में असावधानी से लकड़ी खराब नहीं होती है।	(4) इस विधि में असावधानी से पूरी लकड़ी खराब हो जाती है।
(5) इस विधि में मौसम का प्रभाव कम पड़ता है।	(5) इस विधि में मौसम का प्रभाव अधिक पड़ता है।

प्रश्न-3 अच्छी लकड़ी की क्या विशेषताएँ (गुण) होती हैं?

उत्तर- अच्छी लकड़ी की निम्नलिखित विशेषताएँ (गुण) होते हैं-

- (1) अच्छी लकड़ी में रेशे बारीक व सीधे होते हैं।
- (2) अच्छी लकड़ी अन्दर से लाल रंग की होती है।
- (3) अच्छी लकड़ी में मज्जा अधिक होती है।

- (4) अच्छी लकड़ी अन्दर से सड़ी-गली अथवा खोखली नहीं होती है।
- (5) अच्छी लकड़ी में गांठ नहीं होती है।
- (6) अच्छी लकड़ी पर चोट मारने पर टन-टन की आवाज निकलती है।

प्रश्न-4 लकड़ी को खराब होने से बचाने के क्या-क्या उपाय हैं?

उत्तर- लकड़ी को खराब होने बचाने के लिए हम निम्न उपाय कर सकते हैं-

- (1) लकड़ी के बाहरी भाग को थोड़ा जलाकर काली होने पर जमीन पर गाड़ देते हैं।
- (2) नीला थोथा पानी में घोलकर उसका लकड़ी पर लेप कर देना चाहिए।
- (3) रसायनिक पदार्थों का लेप कर देते हैं।
- (4) लकड़ी पर तारकोल का लेप कर देने से खराब नहीं होती है।
- (5) वार्निश का लेप करने से लकड़ी खराब नहीं होती है।
- (6) लकड़ी पर पॉलिश कर देते हैं।

प्रश्न-5 धूनी विधि द्वारा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- धूनी विधि में पेड़ से कटी हुई लकड़ियों को एक लोहे से बने मजबूत स्टेण्ड पर रखा जाता है और स्टेण्ड के नीचे गीली लकड़ी, पत्ते, कचरे आदि से धुआँ किया जाता है। यह धुआँ लकड़ियों में लगता है और धीरे-धीरे 4-5 दिनों में लकड़ियों के अन्दर का पानी भाप बनकर बाहर निकलता रहता है और लकड़ी सूख जाती है।

प्रश्न-6 हवा विधि द्वारा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- सर्वप्रथम जमीन पर 5 सेमी मोटी राख की परत बिछा देते हैं। फिर उस पर ईंटों का एक चबूतरा बनाते हैं। इस चबूतरे पर लकड़ी के लट्टे या पेड़ के तनों का चट्टा इस प्रकार लगाते हैं कि लकड़ियों के बीच फासला हो जिससे हवा-पानी लकड़ियों को चारों तरफ से लगे। लकड़ी को चबूतरे पर रखने से दीमक भी नहीं लगती है। इस तरह से लकड़ी हवा द्वारा सूख जाती है।

प्रश्न-7 काष्ठकला में काम आने वाले औजारों (यंत्रों) के नाम बताओ।

उत्तर- काष्ठकला में प्रायः निम्न प्रकार के औजार काम आते हैं-

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) हथौड़ी | (15) रन्दा |
| (2) बसूला | (16) परकार |
| (3) गुनिया | (17) छेनी |
| (4) आरी | (18) नेलपंच |
| (5) रेती | (19) सूमा |
| (6) चौरसी | (20) धनुष आरी |
| (7) बिन्दणी | (21) सिल्ली |
| (8) स्केल | (22) ड्रिल मशीन |

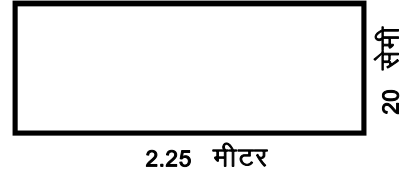
- | | |
|---------------|-----------------|
| (9) फीता | (23) आरा मशीन |
| (10) शिकंजा | (24) रन्दा मशीन |
| (11) पेचकस | (25) खतकस |
| (12) प्लायर्स | (26) जम्बूर |
| (13) गिरमट | (27) मूंगरी |
| (14) कील | (28) परकार |

प्रश्न-8 एक लकड़ी का तख्ता 2 मीटर 25 सेमी लम्बा और 20 सेमी चौड़ा है तो उसका क्षेत्रफल ज्ञात करो।

उत्तर- तख्ते की लम्बाई = 2.25 मीटर

$$\text{तख्ते की चौड़ाई} = \frac{20}{100} \text{ मीटर}$$

$$\begin{aligned} \text{तख्ते का क्षेत्रफल} &= \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} \\ &= 2.25 \times \frac{20}{100} \\ &= \frac{225}{100} \times \frac{20}{100} \\ &= .45 \text{ वर्ग मीटर} \end{aligned}$$



प्रश्न-9 प्राथमिक उपचार क्या है? तथा प्राथमिक उपचार पेटी में क्या-क्या सामग्री होती है? सचित्र वर्णन कीजिये।

उत्तर- अचानक दुर्घटना होने पर डाक्टर के आने से पूर्व किया जाने वाला उपचार प्राथमिक उपचार कहलाता है।

प्राथमिक उपचार पेटी में निम्नलिखित सामग्री होती है -

- (1) पट्टी
- (2) रुई
- (3) डिटॉल
- (4) मलहम
- (5) कैंची
- (6) टिंचर आयोडीन
- (7) खपच्ची
- (8) ट्यूब
- (6) गोली (पेट-दर्द, सिर-दर्द)

प्रश्न-10 लकड़ी की मेज बनाने की विधि का सचित्र वर्णन कीजिये।

उत्तर-



विषय-काष्ठकला (प्रायोगिक)

कक्षा-9 प्रथम

पाठ्यक्रम

निर्देश- छात्र विभिन्न मापों की निम्नलिखित लकड़ी की वस्तुएँ बनाकर प्रस्तुत करें-

- (1) लकड़ी का डस्टर
- (2) लकड़ी की लेखन तख्ती
- (3) लकड़ी का गुल्लक
- (4) लकड़ी का पाटा
- (5) लकड़ी की चकला
- (6) लकड़ी की जूता स्टेण्ड
- (7) लकड़ी का श्यामपट्ट
- (8) लकड़ी की चौकी
- (9) लकड़ी का फूल/मोमबत्ती स्टेण्ड
- (10) लकड़ी की स्टूल

विषय-काष्ठकला

कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3.15 घण्टे

पूर्णांक-60

निर्देश-1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई पुस्तिका में ही लिखिये।

3. प्रश्न संख्या 1 के चार भाग है। प्रत्येक भाग के चार विकल्प अ, ब, स, द दिये गये है। सही उत्तराक्षर पुस्तिका में निम्न तालिका बनाकर देवें।

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्न संख्या	अंक	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1(i-iv)	$\frac{3}{4} \times 4$	3
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	4	2	8
3.	लघुत्तरात्मक प्रश्न	11	3	33
4.	निबन्धात्मक प्रश्न	4	4	16
	कुल	20		60

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

प्रश्न-1 (i) लकड़ी काटने में कौन सा औजार काम आता है -

 $\frac{3}{4}$

(अ) हथौड़ी (ब) शिकंजा

(स) आरी (द) जम्बूर

()

(ii) लकड़ी कितने प्रकार की होती है?

 $\frac{3}{4}$

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

()

(iii) लकड़ी को चिपकाने में कौन-सा पदार्थ काम आता है?

 $\frac{3}{4}$

(अ) वार्निश (ब) फेविकोल

(स) कोलतार (द) थिनर

()

(iv) निम्न में से कच्ची लकड़ी किस पेड़ से प्राप्त होती है?

 $\frac{3}{4}$

(अ) बबूल (ब) सागवान

(स) अरडू (द) शीशम

()

प्रश्न-2 पेंच कितने प्रकार के होते हैं?

2

प्रश्न-3 लकड़ी को कसकर पकड़ने के लिए कौन सा उपकरण काम आता है?

2

प्रश्न-4 लकड़ी में छेद करने के लिए कौन सा औजार काम आता है?	2
प्रश्न-5 एक मीटर में कितने सेन्टीमीटर होते हैं?	2
प्रश्न-6 बिन्धणी क्या काम आती है?	3
प्रश्न-7 रेगमॉल का उपयोग लिखिये।	3
प्रश्न-8 चौरसी की उपयोगिता लिखिये।	3
प्रश्न-9 ठोकने वाले यन्त्र कौन-कौन से हैं? नाम लिखिये।	3
प्रश्न-10 "झा शा" किसे कहते हैं?	3
प्रश्न-11 जांचने वाले यन्त्र किसे कहते हैं?	3
प्रश्न-12 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश करने के लिए कौन-कौन सी सामग्री चाहिए? नाम लिखिए।	3
प्रश्न-13 धार लगे औजारों से क्या-क्या लाभ हैं?	3
प्रश्न-14 लकड़ी में बनावटी दोष कौन-कौन से होते हैं?	3
प्रश्न-15 परकार के उपयोग लिखिये।	3
प्रश्न-16 हवा विधि द्वारा लकड़ी सुखाने की विधि का वर्णन करो।	3
प्रश्न-17 लकड़ी को खराब होने से बचाने के लिए उपायों का वर्णन करो।	4
प्रश्न-18 धूनीविधि का वर्णन करो।	4
प्रश्न-19 काष्ठकला में काम आने वाले किन्हीं 8 उपकरणों के नाम लिखिये।	4
प्रश्न-20 ड्रिल मशीन का नामांकित चित्र बनाइये।	4

विषय-काष्ठकला (प्रायोगिक)

कक्षा-9 द्वितीय

समय: 3 घण्टा

पूर्णांक-40

निर्देश- सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

प्रश्न-1 2 फुट लम्बी और 2½ इंच चौड़ी लकड़ी की थापी बनाकर प्रस्तुत करें।	15
प्रश्न-2 5 इंच लम्बे और चौड़े लकड़ी के चाबी स्टैण्ड को बनाकर प्रस्तुत करें।	15
प्रश्न-3 अभिलेख पुस्तिका।	20

मूक बधिर बालकों के लिए प्रश्नमाला
कक्षा-9 द्वितीय
विषय-काष्ठकला

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

- प्रश्न-1 लकड़ी कितने प्रकार की होती है?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार (ब)
- प्रश्न-2 लकड़ी काटने के कौन सा औजार काम आता है?
(अ) हथौड़ी (ब) शिकंजा
(स) आरी (द) जम्बूर (स)
- प्रश्न-3 काटने वाले यन्त्र कौन-कौन से होते हैं?
(अ) कुल्हाड़ी (ब) आरी
(स) वसूला (द) उपरोक्त सभी (द)
- प्रश्न-4 कील को ठोकने में कौन सा औजार काम आता है?
(अ) आरी (ब) पेचकस
(स) हथौड़ी (द) जम्बूर (स)
- प्रश्न-5 लकड़ी में छेद करने में काम आता है -
(अ) बर्मा (ब) पेचकस
(स) कील (द) वसूला (अ)
- प्रश्न-6 लोहे को काटने में कौन सा औजार काम आता है?
(अ) वसूला (ब) आरी
(स) धनुषधारी (द) जम्बूर (स)
- प्रश्न-7 फर्नीचर को चिकना और समतल बनाने के काम आती है -
(अ) आरी (ब) रेती
(स) पेचकस (द) शिकंजा (ब)
- प्रश्न-8 लकड़ी पर सीधा और निर्धारित निशान लगाने के काम आता है -
(अ) फीता (ब) स्केल
(स) खतकस (द) गुनिया (स)
- प्रश्न-9 लकड़ी को नापने के काम आता है -
(अ) फीता (ब) आरी
(स) खतकस (द) वसूला (अ)
- प्रश्न-10 लकड़ी को चिपकाने में कौन सा पदार्थ काम आता है?

(अ) वार्निश (ब) फेविकोल

(स) कोलतार (द) थिनर (ब)

प्रश्न-11 पेंच कितने प्रकार के होते हैं -

(अ) एक (ब) चार

(स) तीन (द) दो (स)

प्रश्न-12 पक्की लकड़ी किस पेड़ से प्राप्त होती है -

(अ) अरण्ड (ब) अरडू

(स) पपीता (द) सागवान (द)

प्रश्न-13 कच्ची लकड़ी किस पेड़ से प्राप्त होती है -

(अ) बबूल (ब) अरडू

(स) सागवान (द) शीशम (ब)

प्रश्न-14 कौन सी लकड़ी से फर्नीचर मजबूत बनता है -

(अ) कृत्रिम लकड़ी से (ब) पक्की लकड़ी से

(स) नरम लकड़ी से (द) कच्ची लकड़ी से (ब)

प्रश्न-15 कौन से पेड़ की लकड़ी से फर्नीचर नहीं बनता है?

(अ) आम (ब) शीशम

(स) केला (द) अरडू (स)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो -

प्रश्न-16 लकड़ी में रेशे प्रकार के होते हैं?

उत्तर- चार

प्रश्न-17 रेतियाँ बनी होती है?

उत्तर- पक्के लोहे की

प्रश्न-18 शिकन्जों का उपयोग पकड़ने में किया जाता है?

उत्तर- कसकर

प्रश्न-19 गीली लकड़ी का फर्नीचर कुछ समय के बाद हो जाता है?

उत्तर- खराब

प्रश्न-20 पेंच प्रकार के होते हैं?

उत्तर- तीन

प्रश्न-21 खतकश का प्रयोग लकड़ी पर लगाने में किया जाता है?

उत्तर- निशान लगाने

प्रश्न-22 गुनिया का प्रयोग लकड़ी के की जांच करने में किया जाता है?

उत्तर- धरातल

प्रश्न-23 लकड़ी खोखली हो जाती है?

उत्तर- दीमक लगने पर

प्रश्न-24 आरी का उपयोग..... किया जाता है?

उत्तर- लकड़ी काटने में

प्रश्न-25 बनावटी (कृत्रिम) लकड़ी से फर्नीचर की बढ़ती है?

उत्तर- सुन्दरता

प्रश्न-26 पेंच कसने व खोलने में का उपयोग होता है?

उत्तर- पेंचकस

प्रश्न-27 जोड़ प्रकार के होते हैं?

उत्तर- विभिन्न

प्रश्न-28 चौरसी का उपयोग लकड़ी में किया जाता है?

उत्तर- गढ़वा बनाने में

प्रश्न-29 रेंती लकड़ी व लोहे को चिकना व पतला करने के काम आती है?

उत्तर- घिसकर

प्रश्न-30 परकार लकड़ी पर निशान लगाने के काम आता है?

उत्तर- गोल

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 रेतियां कौन से लोहे की बनी होती है?

उत्तर- रेतियां पक्के लोहे की बनी होती है।

प्रश्न-2 पेंचकस क्या काम आता है?

उत्तर- पेंचकस पेंच को कसने व खोलने के काम आता है।

प्रश्न-3 हथौड़ी क्या काम आती है?

उत्तर- हथौड़ी कील ठोकने के काम आती है।

प्रश्न-4 हथौड़ी कितने प्रकार की होती है?

उत्तर- हथौड़ी दो प्रकार की होती है -

1. सादा हथौड़ी
2. पंजेदार हथौड़ी

प्रश्न-5 आरी क्या काम आती है?

उत्तर- आरी लकड़ी काटने के काम आती है।

प्रश्न-6 बर्मा क्या काम आता है?

उत्तर- बर्मा लकड़ी में छेद करने के काम आता है

प्रश्न-7 आरा मशीन किस काम आती है?

उत्तर- आरा मशीन पेड़ से कटी हुई लकड़ी को आवश्यकतानुसार आकृति में काटने के काम आती है।

प्रश्न-8 वसूला क्या काम आता है?

उत्तर- वसूला लकड़ी को छीलकर आवश्यकतानुसार पतला करने के काम आता है।

प्रश्न-9 गुनिया क्या काम आती है?

उत्तर- गुनिया लकड़ी के धरातल, कोण व नाप की जांच करने के काम आती है।

प्रश्न-10 मुंगरी क्या काम आती है?

उत्तर- मुंगरी लकड़ी के जोड़ ठोककर सही बैठाने के काम आती है।

प्रश्न-11 जम्बूर क्या काम आता है?

उत्तर- जम्बूर लकड़ी में फंसी कील को निकालने के काम आता है।

प्रश्न-12 प्लायर्स क्या काम आता है?

उत्तर- प्लायर्स तार को जोड़ने, काटने व किसी वस्तु को मजबूती से पकड़ने के काम आता है।

प्रश्न-13 गिरमट क्या काम आता है?

उत्तर- गिरमट लकड़ी में छेद निकालने के काम आता है।

प्रश्न-14 कुल्हाड़ी क्या काम आती है?

उत्तर- कुल्हाड़ी लकड़ी काटने के काम आती है?

प्रश्न-15 सूमा क्या काम आता है?

उत्तर-सूमा कील को लकड़ी के अन्दर तक ठोकने के काम आता है।

प्रश्न-16 रेती क्या काम आती है?

उत्तर- रेती लकड़ी को या फर्नीचर को घिसकर चिकना व समतल करने के काम आती है?

प्रश्न-17 छेनी क्या काम आती है?

उत्तर- छेनी लोहा काटने के काम आती है।

प्रश्न-18 फीता क्या काम आता है?

उत्तर- फीता फर्नीचर बनाने के लिए लकड़ी को नापने के काम आता है।

प्रश्न-19 रन्दा क्या काम आता है?

उत्तर- रन्दा लकड़ी को छीलकर पतला, चिकना व समतल करने के काम आता है।

प्रश्न-20 ड्रिल मशीन क्या काम आती है?

उत्तर- ड्रिल मशीन लकड़ी, पत्थर व दीवार में छेद करने के काम आती है।

प्रश्न-21 शिकंजा क्या काम आता है?

उत्तर- शिकंजा लकड़ी को मजबूती से पकड़ने के काम आता है।

प्रश्न-22 परकार क्या काम आता है?

उत्तर- परकार लकड़ी पर गोल व अन्य निशान लगाने के काम आता है।

प्रश्न-23 सिल्ली क्या काम आती है?

उत्तर- सिल्ली लोहे के औजारों के धार लगाने के काम आती है।

प्रश्न-24 खतकस क्या काम आता है?

उत्तर- खतकस का प्रयोग लकड़ी पर समान्तर निशान लगाने के काम आता है।

प्रश्न-25 खराद मशीन क्या काम आती है?

उत्तर- खराद मशीन लकड़ी को छिलना, गोल करना आदि काम आती है।

प्रश्न-26 एक मीटर में कितने सेन्टीमीटर होते हैं?

उत्तर- एक मीटर में एक सौ सेन्टीमीटर होते हैं।

प्रश्न-27 रेगमाल क्या काम आता है?

उत्तर- रेगमाल बने हुये फर्नीचर को घिसकर चिकना, चकमदार व समतल बनाने के काम आता है।

प्रश्न-28 चौरसी क्या काम आता है?

उत्तर- चौरसी द्वारा लकड़ी के जोड़ बनाने के लिए चूल बनाने के काम आता है।

प्रश्न-29 धनुष आरी क्या काम आती है?

उत्तर- धनुष आरी लोहा काटने के काम आती है।

प्रश्न-30 बिन्धणी क्या काम आती है?

उत्तर- बिन्धणी से लकड़ी में छेद व गद्दे बनाने के काम आती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्रश्न-31 काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए किन-किन पेड़ों से लकड़ी प्राप्त होती है?

उत्तर- निम्नलिखित पेड़ों से लकड़ी प्राप्त होती है?

- (1) सागवान
- (2) शीशम
- (3) आम
- (4) चीड़
- (5) बबूल
- (6) देवदार
- (7) रोहिड़ा
- (8) बेर

(9) अरडू

(10) नीम

प्रश्न-32 लकड़ी कितने प्रकार की होती है?

उत्तर- लकड़ी दो प्रकार की होती है-

(1) पक्की लकड़ी

(2) कच्ची लकड़ी

प्रश्न-33 पक्की लकड़ी किन पेड़ों से प्राप्त होती है?

उत्तर- पक्की लकड़ी निम्न पेड़ों से प्राप्त होती है-

(1) सागवान

(2) चीड़

(3) शीशम

(4) बबूल

(5) आम

(6) नीम

(7) रोहिड़ा

(8) खेजड़ी

प्रश्न-34 कच्ची लकड़ी किन पेड़ों से प्राप्त होती है?

उत्तर- कच्ची लकड़ी अरडू, अरण्ड, गुलमोहर आदि पेड़ों से प्राप्त होती है।

प्रश्न-35 काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए उपयोगी लकड़ियों के नाम लिखो।

उत्तर- काष्ठकला में फर्नीचर बनाने के लिए निम्न पेड़ों की लकड़ी उपयोगी है -

(1) सागवान की लकड़ी

(2) शीशम की लकड़ी

(3) चीड़ की लकड़ी

(4) बबूल की लकड़ी

(5) नीम की लकड़ी

(6) बेर की लकड़ी

(7) आम की लकड़ी

(8) अरडू की लकड़ी

प्रश्न-36 काष्ठकला में काम आने वाली कृत्रिम लकड़ियों के नाम लिखो?

उत्तर- (1) प्लाई

(2) बोर्ड

(3) सॉफ्ट बोर्ड

(4) हार्ड बोर्ड

(5) सनमाइका

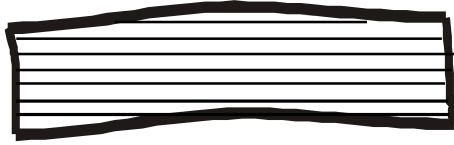
(6) घास बोर्ड

प्रश्न-37 लकड़ी में रेशे कितने प्रकार के होते हैं?

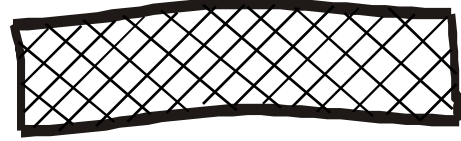
उत्तर-

(1) सीधे रेशे

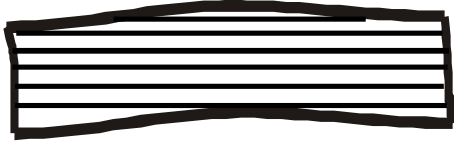
(2) आड़े/तिरछे रेशे



(3) मोटे रेशे



(4) बारीक/पतले रेशे



प्रश्न-38 लकड़ी में कितने प्रकार के दोष पाये जाते हैं?

उत्तर- लकड़ी में दो प्रकार के दोष पाये जाते हैं-

(1) स्वाभाविक दोष

(2) बनावटी दोष

प्रश्न-39 लकड़ी में स्वाभाविक (प्राकृतिक) दोष कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर- लकड़ी में स्वाभाविक दोष दो प्रकार के होते हैं?

(1) गांठे बनना



(2) ऐंठन होना



प्रश्न-40 लकड़ी में बनावटी (कृत्रिम) दोष कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर- लकड़ी में निम्न प्रकार के बनावटी (कृत्रिम) दोष पाये जाते हैं?

(1) चटकना

(2) बाहर से फटना

(3) अन्दर से लकड़ी फटना

(4) चारों ओर से लकड़ी फटना

- (5) झिरी पड़ना
- (6) कमान होना
- (7) ऐंठन होना

प्रश्न-41 लकड़ी सुखाने की कौन-कौन सी विधियां हैं?

उत्तर- लकड़ी सुखाने की दो विधियां हैं-

- (1) प्राकृतिक विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (2) बनावटी (कृत्रिम) विधि द्वारा लकड़ी सुखाना

प्रश्न-42 लकड़ी सुखाना क्यों आवश्यक है?

उत्तर- लकड़ी में फैलने व सिकुड़ने का गुण होता है। कोई लकड़ी अधिक फैलती व सिकुड़ती है कोई कम। गीली लकड़ी भारी भी होती है तथा गीली लकड़ी को छीलने पर उसमें सफाई भी नहीं आती है। गीली लकड़ी के जोड़/साल भी ढीले हो जाते हैं। गीली लकड़ी पर रंग पॉलिश अथवा वार्निश भी सही तरीके से नहीं होती है। इन सब खराबियों से बचने के लिए लकड़ी सुखाना बहुत आवश्यक है।

प्रश्न-43 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक विधियां कौन-कौन सी हैं?

उत्तर- लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक विधियां दो प्रकार की होती हैं।

- (1) हवा विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (2) पानी विधि द्वारा लकड़ी सुखाना

प्रश्न-44 लकड़ी सुखाने की बनावटी (कृत्रिम) विधियां कौन-कौन सी हैं?

उत्तर- लकड़ी सुखाने की बनावटी (कृत्रिम) विधि चार प्रकार की होती हैं।

- (1) गर्म पानी विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (2) लकड़ी को गर्म करके सुखाना
- (3) यांत्रिक विधि द्वारा लकड़ी सुखाना
- (4) धूनी द्वारा लकड़ी सुखाना

प्रश्न-45 हवा विधि द्वारा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- सर्वप्रथम जमीन पर 5 सेमी मोटी राख की परत बिछा देते हैं। फिर उस पर ईंटों का एक चबूतरा बनाते हैं। इस चबूतरे पर लकड़ी के लट्टे या पेड़ के तनों का चट्टा इस प्रकार लगाते हैं कि लकड़ियों के बीच फासला हो जिससे हवा-पानी लकड़ियों को चारों तरफ से लगे। लकड़ी को चबूतरे पर रखने से दीमक भी नहीं लगती है। इस तरह से लकड़ी हवा द्वारा सूख जाती है।

प्रश्न-46 हवा द्वारा लकड़ी सुखाने की विधि से क्या लाभ हैं?

उत्तर- हवा द्वारा लकड़ी सुखाने की विधि से लाभ -

- (1) यह विधि किसी भी स्थान पर आसानी से सस्ती बनायी जा सकती है।
- (2) लकड़ी काटने के तुरन्त बाद ही इस विधि को शुरू किया जा सकता है।

(3) इस विधि से सुखायी गई लकड़ी पर आसानी से काम किया जा सकता है।

प्रश्न-47 गर्म हवा द्वारा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- दो बड़े मोटी दीवार से बने कमरों में लकड़ी के लट्ठों को एक के ऊपर रखकर जमाते हैं। फिर कमरों को विद्युत हीटर या आग से गर्म किया जाता है, जिससे कमरे का ताप बढ़ जाता है। ताप से लकड़ी की नमी बाहर निकल कर कमरे के ऊपर बने रोशनदान से बाहर निमल जाती है तथा लकड़ी सूख जाती है।

प्रश्न-48 ठोकने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी वस्तु को सही करने, लकड़ी में खड़डे करने, लकड़ी छीलने तथा लकड़ी को जोड़ों को ठीक से फिट करने के लिए जिन यंत्रों से ठोका जाता है उन्हें ठोकने वाले यंत्र कहते हैं।

जैसे- हथौड़ी, पंजेदार हथौड़ी, मुंगरी आदि।

प्रश्न-49 ठोकने वाले यंत्र कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर- ठोकने वाले यंत्र चार प्रकार के होते हैं-

- (1) हथौड़ी
- (2) पंजेदार हथौड़ी
- (3) मुंगरी
- (4) नेलपंच

प्रश्न-50 निकालने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- लकड़ी या लोहे के फर्नीचर या अन्य वस्तु से पेंच या कील को जिन यंत्रों से बाहर निकालते हैं, उन्हें निकालने वाले यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-51 निकालने वाले यंत्र कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर- निकालने वाले यंत्र पांच प्रकार के होते हैं-

- (1) पेंचकस
- (2) प्लायर्स
- (3) जम्बूर
- (4) पंजेदार हथौड़ी
- (5) नेल

प्रश्न-52 जांचने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- लकड़ी को काट कर उससे फर्नीचर बनाने के लिए उसकी नाप कर उसके धरातल, कोण, गोलाई की जांच करने के लिए जो यंत्र काम में लेते हैं उन्हें जांचने वाले यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-53 जांचने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं?

उत्तर- जांचने वाले यंत्र निम्न हैं-

- (1) फीता
- (2) स्केल

(3) गुनिया

(4) परकार

प्रश्न-54 आरियाँ कितने प्रकार की होती हैं?

उत्तर- आरियाँ दो प्रकार की होती हैं-

(1) ड्रा सॉ

(2) पुश सॉ

प्रश्न-55 ड्रा सॉ किसे कहते हैं?

उत्तर- वे आरियाँ जो अपनी ओर खींचने पर लकड़ी काटती है, उन्हें ड्रा सॉ कहते हैं।

प्रश्न-56 पुश सॉ किसे कहते हैं?

उत्तर- वे आरियाँ जो आगे की ओर धक्का मारने पर लकड़ी काटती हैं, उन्हें पुश सॉ कहते हैं।

प्रश्न-57 पुश सॉ (आरियाँ) कितने प्रकार की होती हैं?

उत्तर- पुश सॉ (आरियाँ) तीन प्रकार की होती हैं-

(1) सीधी रेखा में लकड़ी काटने वाली आरी

(2) आड़ी रेखा में लकड़ी काटने वाली आरी

(3) गोलाई में लकड़ी काटने वाली आरी

प्रश्न-58 लकड़ी काटने वाले यंत्र किसे कहते हैं?

उत्तर- छोटी लकड़ी से लेकर बड़ी लकड़ी तक काटने में जो यंत्र काम आते हैं, उन्हें काटने वाले यंत्र कहते हैं।

प्रश्न-59 लकड़ी काटने वाले यंत्र कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर- लकड़ी काटने वाले यंत्र निम्नलिखित होते हैं-

(1) कुल्हाड़ी

(2) आरी

(3) आरा मशीन

(4) बसुला

प्रश्न-60 लोहा काटने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं?

उत्तर- लोहा काटने वाले यंत्र धनुष आरी व छिनी है।

प्रश्न-61 धार लगाने की सिल्ली किसकी बनी होती है?

उत्तर- धार लगाने की सिल्लियाँ कार्बोरेन्डम या कोरेन्डम की बनी होती हैं।

प्रश्न-62 धार लगे औजारों से क्या फायदा है?

उत्तर- धार लगे औजारों से निम्न फायदा है-

(1) जल्दी व अच्छा कार्य होता है

(2) फर्नीचर पर अच्छी सफाई आती है

(3) औजार लम्बे समय तक कार्य करते रहते हैं

(4) दुर्घटना कम व सुरक्षा अधिक रहती है

प्रश्न-63 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश क्यों करते हैं?

उत्तर- लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश इसलिए करते हैं कि-

(1) फर्नीचर देखने में अच्छा लगे

(2) फर्नीचर सुन्दर व चकमदार बनता है

(3) फर्नीचर में कीड़े नहीं लगते हैं

(4) फर्नीचर अधिक समय तक चलता है

(5) फर्नीचर के अच्छे पैसे मिलते हैं

प्रश्न-64 लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

उत्तर- लकड़ी के फर्नीचर पर पॉलिश के लिए निम्नलिखित सामग्री चाहिए-

(1) पोटिन

(2) फेविकोल

(3) प्राइमर

(4) सिंप्रट

(5) तारपीन का तेल

(6) थिनर

(7) केरोसीन

(8) बुश

(9) कपड़ा

(10) पेन्ट आदि।

निबन्धात्मक प्रश्न -

प्रश्न-1 अच्छी लकड़ी की क्या विशेषताएँ (गुण) होती हैं?

उत्तर- अच्छी लकड़ी की निम्नलिखित विशेषताएँ (गुण) होती हैं-

(1) अच्छी लकड़ी में रेशे बारीक व सीधे होते हैं।

(2) अच्छी लकड़ी अन्दर से लाल रंग की होती है।

(3) अच्छी लकड़ी में मज्जा अधिक होती है।

(4) अच्छी लकड़ी अन्दर से सड़ी-गली अथवा खोखली नहीं होती है।

(5) अच्छी लकड़ी पर चोट मारने पर टन-टन की आवाज निकलती है।

(6) अच्छी लकड़ी में गांठ व ऐंठन नहीं होती है।

(7) अच्छी लकड़ी में लचक अधिक होती है।

प्रश्न-2 लकड़ी को खराब होने से बचाने के क्या-क्या उपाय हैं?

उत्तर- लकड़ी को अधिक समय तक उपयोग में नहीं लेने व एक ही स्थान पर पड़ी रहने पर उस पर मौसम का प्रभाव पड़ता है, जिससे लकड़ी खराब हो जाती है। अतः लकड़ी को ताप, नमी व कीटों से बचाने के लिए हम निम्न उपाय कर सकते हैं-

- (1) लकड़ी के बाहरी भाग को थोड़ा जलाकर काली होने पर जमीन पर गाड़ देते हैं।
- (2) नीला थोथा पानी में घोलकर उसका लकड़ी पर लेप कर देना चाहिए।
- (3) रसायनिक पदार्थों का लेप कर देते हैं।
- (4) लकड़ी पर तारकोल का लेप कर देने से खराब नहीं होती है।
- (5) वार्निश का लेप करने से लकड़ी खराब नहीं होती है।
- (6) लकड़ी पर पॉलिश कर देना चाहिए।
- (7) लकड़ी पर पक्का रंग करने से भी मौसम का प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न-3 काष्ठकला में काम आने वाले औजारों (यंत्रों) के नाम बताओ?

उत्तर- काष्ठकला में प्रायः निम्न प्रकार के औजार काम आते हैं-

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) हथौड़ी | (15) रन्दा |
| (2) बसूला | (16) परकार |
| (3) गुनिया | (17) छेनी |
| (4) आरी | (18) नेलपंच |
| (5) रेती | (19) सूमा |
| (6) चौरसी | (20) धनुष आरी |
| (7) बिन्दणी | (21) सिल्ली |
| (8) स्केल | (22) ड्रिल मशीन |
| (9) फीता | (23) आरा मशीन |
| (10) शिकंजा | (24) रन्दा मशीन |
| (11) पेंचकस | (25) खतकस |
| (12) प्लायर्स | (26) जम्बूर |
| (13) गिरमट | (27) मुंगरी |
| (14) कील | (28) परकार |

प्रश्न-4 धूनी विधि द्वारा लकड़ी कैसे सुखाते हैं?

उत्तर- धूनी विधि में पेड़ से कटी हुई लकड़ियों को एक लोहे से बने मजबूत स्टेण्ड पर रखा जाता है और स्टेण्ड के नीचे गीली लकड़ी, पत्ते, कचरे आदि से धुआँ किया जाता है। यह धुआँ लकड़ियों में लगता है और धीरे-धीरे 4-5 दिनों में लकड़ियों के अन्दर का पानी भाप बनकर बाहर निकलता रहता है और लकड़ी सुखती जाती है। इस विधि द्वारा लकड़ी सुखाने से लकड़ी मुलायम बनती है व फर्नीचर आसानी से बनता है।

प्रश्न-5 लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक व बनावटी विधि में क्या अन्तर है?

उत्तर-लकड़ी सुखाने की प्राकृतिक व बनावटी विधि में निम्न अन्तर होता है -

- | प्राकृतिक विधि | बनावटी विधि |
|----------------------------|---------------------------|
| (1) यह विधि सस्ती होती है। | (1) यह विधि सस्ती होती है |

- | | |
|---------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| (2) इस विधि में समय अधिक लगता है। | (2) इस विधि में समय कम लगता है। |
| (3) इस विधि से लकड़ी के गुण व लचक नष्ट नहीं होती है। | (3) इस विधि से लकड़ी के गुण व लचक में कमी आ जाती है। |
| (4) इस विधि में असावधानी से लकड़ी खराब नहीं होती है। | (4) इस विधि में असावधानी से पूरी लकड़ी खराब हो जाती है। |
| (5) इस विधि में मौसम का प्रभाव कम पड़ता है। | (5) इस विधि में मौसम का प्रभाव अधिक पड़ता है। |
| (6) यह विधि गर्म देशों में सही रहती है। | (6) यह विधि ठण्डे प्रदेशों में सही रहती है। |
| (7) इस विधि से लकड़ी का मिटास निकल जाता है। इससे लकड़ी में कीड़े नहीं लगते हैं। | (7) इस विधि से लकड़ी का पूरा मिटास नहीं निकलता है। इससे लकड़ी में कीड़े लगने का डर रहता है। |

प्रश्न-6 छीलने वाले यंत्र कौन-कौन से हैं? उनके नाम लिखो एवं किसी एक का वर्णन करो।

उत्तर- लकड़ी को काटने, चीरने व गढ़ा करने तथा रन्दने वाले औजारों की तरह लकड़ी छीलने वाले यंत्र भी हैं, जिनको छीलने वाले यंत्र कहते हैं।

छीलने वाले यंत्र -साधारण रुखानी, मार्टिस रुखानी, पहलदार रुखानी, नक्काशी की रुखानी, गाऊजा, बसूला, गोलची आदि प्रमुख हैं।

बसूला- यह एक भारी एवं देसी औजार है। लकड़ी को छीलने व काटने का काम अधिकतर इससे ही किया जाता है। गांवों में अधिकतर गाड़ियों के पहिये आदि इसके द्वारा तैयार किये जाते हैं। सका फल लोहे का तथा हत्था लकड़ी का होता है। इससे लकड़ी छीलकर गोल व पतली बनाई जाती है। इसका फल भारी होता है। इससे चोट भी भारी मारी जाती है।

प्रश्न-7 शिकंजा क्या काम आता है?

उत्तर- शिकंजा काष्ठकला का एक प्रमुख यंत्र है। यह पूरा लोहे का बना होता है। इसके दाहिने ओर के भाग में एक हत्था होता है। जिसको घुमाने से वह कसा जाता है कि जोड़ ठीक प्रकार से जुड़ जावें। शिकंजा साधारणतया 60.9 सेमी लम्बा होता है। इसको अधिक नहीं कसना चाहिए। जिससे इसकी चूड़ियां खराब नहीं हो। शिकंजे का हत्था तेल डालकर चलाना चाहिए। इससे इच्छित चौड़ाई में लकड़ी कसी जा सकती है।

प्रश्न-8 लकड़ी जोड़ने वाले पदार्थ किसे कहते हैं व कौन-कौन से होते हैं? बताओ व वर्णन करो।

उत्तर- लकड़ी का फर्नीचर बनाने के लिए लकड़ियों को आपस में जोड़ा जाता है। इस पदार्थ को जोड़ने वाला पदार्थ कहते हैं। जोड़ने वाला पदार्थ कील ठोकने से पहले लगाया जाता है, जिससे जोड़ अच्छी तरह से चिपक जाये।

जोड़ने वाला पदार्थ निम्न है -

(1) सरेस- पशु सरेस, वनस्पति सरेस, मछली सरेस, रबड़ सरेस आदि।

(2) रासायनिक पदार्थ- फेविकोल, मोवीकोल, शोवीकोल आदि लकड़ी जोड़ने वाले पदार्थ हैं।

प्रश्न-9 एक लकड़ी का तख्ता 2 मीटर 25 सेमी लम्बा और 20 सेमी चौड़ा है तो उसका क्षेत्रफल ज्ञात करो?

उत्तर- तख्ते की लम्बाई = 2.25 मीटर

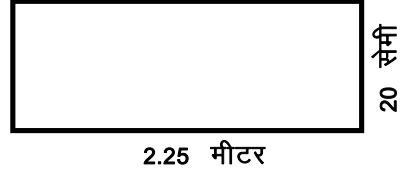
$$\text{तख्ते की चौड़ाई} = \frac{20}{100} \text{ मीटर}$$

$$\text{तख्ते का क्षेत्रफल} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई}$$

$$= 2.25 \times \frac{20}{100}$$

$$= \frac{225}{100} \times \frac{20}{100}$$

$$= .45 \text{ वर्ग मीटर}$$



प्रश्न-10 एक लकड़ी का तख्ता की लम्बाई 6.50 मीटर है, चौड़ाई 2.10 मीटर है, मोटाई 5 सेमी है तो उसका आयतन ज्ञात करो?

उत्तर- तख्ते की लम्बाई = 6.50 मीटर

तख्ते की चौड़ाई = 2.10 मीटर

तख्ते की मोटाई = 5 सेमी

$$\text{तख्ते का आयतन} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} \times \text{मोटाई}$$

$$= 6.50 \times 2.10 \times \frac{5}{100}$$

$$= 0.6825 \text{ घन मीटर}$$

विषय-काष्ठकला (प्रायोगिक)

कक्षा-9 द्वितीय

पाठ्यक्रम

निर्देश- छात्र विभिन्न मापों की निम्नलिखित लकड़ी की वस्तुएँ बनाकर प्रस्तुत करें-

- (1) लकड़ी का चॉक स्टेण्ड
- (2) लकड़ी का पेन स्टेण्ड
- (3) लकड़ी का थापी
- (4) लकड़ी का की बोर्ड (चाबी स्टेण्ड)
- (5) लकड़ी की स्टूल
- (6) लकड़ी की मेज
- (7) लकड़ी की गोल मेज
- (8) लकड़ी की रई
- (9) लकड़ी का हैंगर
- (10) लकड़ी का क्रिकेट स्टम्प